CNEWS मिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-111
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

दुनिया करती जिसे सलाम, वो है भारत का सैनिक महान, रणभूमि में दुश्मन को जो चटाए धूल, वो है भारत का जवान।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

मिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, शुक्रवार 26 जुलाई 2024

26 KARGIL VIJAY DIWAS

सिंगल कॉलम

खनिजों पर राज्यों को रॉयल्टी वसूलने का कानूनी अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अपनी और पीठ के सात न्यायाधीशों की ओर से फैसला पढ़ते हुए कहा कि संसद के पास संविधान की सूची दो की प्रविष्टि 50 के तहत खनिज अधिकारों पर कर लगाने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार को झटका देते हुए कहा है कि राज्यों के पास संविधान के तहत खदानों और खनिज वाली भूमि पर रॉयल्टी वसूलने का विधायी (कानूनी) अधिकार है। नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 8-1 के बहुमत से फैसला सुनाया कि खनिजों के बदले दी जाने वाली रॉयल्टी कर नहीं है। बहुमत के फैसले को पढ़ते हुए प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि शीर्ष अदालत की सात सदस्यीय संविधान पीठ का 1989 का फैसला गलत है जिसमें कहा गया था कि रॉयल्टी एक कर है। इससे पहले, सुनवाई शुरू होते ही प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि पीठ ने दो अलग-अलग फैसले दिये और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने इससे असहमति व्यक्त की। यमूर्ति नागरत्ना ने अपना फैसला पढ़ते हुए कहा कि राज्यों के पास खदानों और खनिजों वाली भूमि पर कर लगाने की विधायी क्षमता नहीं है।

नीट-यूजी के 4.20 लाख कैंडिडेट्स के 5-5 अंक हुए कम

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी(एनटीए) ने नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस(नीट) टेस्ट यूजी 2024 के लिए रिवाइज्ड स्कोर कार्ड जारी कर दिया है। यह फीजिक्स के एक अस्पष्ट प्रश्न के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद हुआ है। जिसके कारण मेरिट लिस्ट में बदलाव की जरूरत पड़ी थी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 23 जुलाई को घोषणा की थी कि संशोधित रिजल्ट दो दिनों के अंदर जारी किए जाएंगे। बता दें कि चार जून को जारी किए गए रिजल्ट में 67 छात्रों ने टॉप रैंक प्राप्त की थी। हालांकि आईआईटी-दिल्ली की एक एक्सपर्ट समिति के आधार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने विवादित प्रश्न के लिए केवल एक सही विकल्प को स्वीकार करने का आदेश दिया। प्रश्न नंबर 19 के दो उत्तरों की बजाय एक उत्तर संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से करीब 4.20 लाख कैंडिडेट्स के 5-5 अंक घटाए गए हैं। इससे लाखों स्टूडेंट्स की रैंकिंग में बदलाव हुआ है। रिवाइज्ड स्कोर जारी होने के बाद वहीं, अब नीट यूजी काउंसलिंग की प्रक्रिया जल्द शुरू हो सकती है। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) चार राउंड में नीट यूजी काउंसलिंग 2024 आयोजित करेगी। सरकार ने कहा है कि अगर कोई भी कैंडिडेट किसी भी तरह के फर्जीवाड़े में शामिल पाया जाता है कि काउंसलिंग प्रकिया से उसे बाहर कर दिया जाएगा। न सिर्फ काउंसलिंग के दौरान बल्कि उसके बाद भी उसकी कैंडिडेट रद्द कर दी जाएगी। ऐसे में यदि तीसरे दौर से पहले सीटें रद्द कर दी जाती हैं, तो इसका ओवरऑल काउंसलिंग और सीट अलॉटमेंट पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नीट काउंसलिंग का तीसरा राउंड सितंबर के दूसरे हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद है।

कारगिल विजय दिवसः पीएम मोदी ने आतंकवाद के आकाओं को दी चुनौती, बोले- आपके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे

पीएम मोदी ने लद्दाख में दी युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि

आज शुक्रवार (26 जुलाई) को कारगिल युद्ध में भारत की जीत के 25 साल पूरे हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लद्दाख के कारगिल का दौरा किया। प्रधानमंत्री द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर आयोजित सिल्वर जुबली कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने लद्दाख और कश्मीर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करगिल के युद्ध नायकों को श्रद्धांजलि देने के बाद कहा कि मैं उन सभी वीर शहीदों को नमन करता हूं जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हमने केवल युद्ध नहीं जीता, बल्कि सत्य, संयम और शक्ति का अद्भुत परिचय दिया।

बोले- वीर जवानों का आभारी रहेगा देश

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह देश हमेशा हमारे सेना के वीर जवानों का आभारी रहेगा। यह मेरा सौभाग्य है कि कारगिल युद्ध के दौरान मैं अपने सैनिकों के बीच एक साधारण देशवासी के रूप में था। आज जब मैं फिर से कारगिल की भूमि पर हूं, तो उन यादों का पुनः सजीव होना स्वाभाविक है। मुझे याद है कि हमारी सेना ने इतनी ऊंचाई पर एक कठिन युद्ध कैसे लड़ा। मैं उन बहादुर योद्धाओं को सलाम करता हूं जिन्होंने देश को विजय दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना के बहादुर सैनिकों और मेरे प्रिय देशवासियों, आज यह महान भूमि लद्दाख कारगिल विजय की 25वीं वर्षगांठ की साक्षी है। यह हमें बताता है कि देश के लिए किए गए बलिदान अमर हैं। दिन, महीने, साल और सदियां बीत जाती हैं। मौसम बदलते रहते हैं, लेकिन देश की रक्षा के लिए अपने जीवन को दांव पर लगाने वालों के नाम अमर रहते हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी कारगिल वॉर मेमोरियल पहुंचे। यहां उन्होंने युद्ध के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की और शहीदों के परिवारों से मिले। वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने वॉर मेमोरियल पर फूलों की वर्षा की। वहीं, हरियाणा में कारगिल युद्ध के हीरो कैप्टन विक्रम बत्रा के पिता ने देश के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। द्रास में प्रधानमंत्री मोदी ने 1999 के युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही पीएम मोदी ने शहीद के परिवारों से मुलाकात की। बता दें कि कारगिल विजय दिवस की सिल्वर जुबली के अवसर पर 24 से 26 जुलाई तक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 2022 में दिवाली कारगिल में सैनिकों के साथ मनाई थी। कई मौके पर पीएम मोदी जवानों के साथ नजर आ चुके हैं।

एयर चीफ मार्शल ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

लद्दाख में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

कारगिल विजय दिवस का महत्व

26 जुलाई 1999 को भारत ने पाकिस्तानी सैनिकों को हराकर कारगिल युद्ध जीता था। तब से यह दिन कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह युद्ध 84 दिनों तक चला था। इस जंग में भारतीय सेना के 527 सैनिक शहीद हुए थे और 1,363 घायल हुए थे। भारतीय सेना ने करगिल के युद्ध में पाकिस्तान को धूल चटा दी थी। इस युद्ध में 400 से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे।

क्यों मनाया जाता है कारगिल विजय दिवस ?

5 मई 1999 को पाकिस्तान के घुसपैठ के बाद, मई से जुलाई के बीच कारगिल की पहाड़ियों में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध छिड़ गया। यह युद्ध 84 दिनों तक चला। 26 जुलाई 1999 को भारत की जीत के साथ यह युद्ध आधिकारिक रूप से समाप्त हुआ। भारतीय सैनिकों के बलिदान और वीरता की याद में हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन

दिल्ली के मेदांता अस्पताल में ली अंतिम सांस न्यूरोलॉजिकल समस्याओं से जूझ रहे थे

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा का शुक्रवार (26 जुलाई) को निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के एक मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली। प्रभात झा मध्य प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष थे। प्रभात झा काफी समय से बीमार चल रहे थे। कुछ दिन पहले ही उन्हें एयरलिफ्ट कर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ और 26 जुलाई की सुबह 5 बजे उनका निधन हो गया।

राजनीतिक जीवन और योगदान

प्रभात झा मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे। हालांकि, उन्होंने मध्य प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं में उनकी गिनती होती थी। झा राजनीति में आने से पहले एक पत्रकार भी रह चुके थे। प्रभात झा ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। उनके निधन के बाद मध्य प्रदेश भाजपा में शोक की लहर है।

बीमारी और अस्पताल में इलाज

प्रभात झा को न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के चलते एक महीने पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुरुआत में उन्हें भोपाल के बंसल अस्पताल में भर्ती किया गया था, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें दिल्ली के मेदांता अस्पताल में एयरलिफ्ट कर लाया गया। पिछले चार हफ्तों से उनका वहां इलाज चल रहा था, लेकिन उनकी सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ।

राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर

प्रभात झा के निधन की पुष्टि भाजपा प्रवक्ता हितेश बाजपेई ने की। उनके निधन के बाद राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके जाने से पार्टी को बड़ी क्षति हुई है। उनके नेतृत्व और योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। प्रभात झा का निधन भाजपा के लिए एक बड़ी क्षति है।

बिहार के सीतामढ़ी जिले के मूल निवासी थे प्रभात झा

प्रभात झा का जन्म 4 जून 1957 को बिहार के सीतामढ़ी जिले के श्रीखंडी भिट्ठा गांव में हुआ था। वह अपने परिवार के साथ ग्वालियर, मध्य प्रदेश आए थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने पीजीवी कॉलेज, ग्वालियर से बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीतिक विज्ञान में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी किया। प्रभात अपने पीछे अपने दो बेटों, तुष्मुल और आयतन झा को छोड़ गए हैं। प्रभात झा की शादी रंजना झा से हुई थी। शादी के बाद प्रभात झा ने पत्रकारिता में करियर की शुरुआत की। लम्बे समय तक पत्रकारिता करने के बाद वे राजनीति में आए और भाजपा के सदस्य बने। प्रभात भाजपा के मुखपत्र कमल संदेश के संपादक भी रहे। उन्होंने कई किताबें भी लिखीं हैं

अति पिछड़ों और दलितों के हित में नीतिगत निर्णय लेने होंगे : कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार

सुरेंद्र सिंघल (वरिष्ठ पत्रकार)

लखनऊ, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार में दलितों की चमार खाप के इकलौते मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश जिसमें 2014, 2017, 2019 और 2022 में भाजपा को ऊंचाइयों पर बैठाया उस राज्य में हालिया लोकसभा चुनाव में भाजपा को 33 सीटों पर सीमित कर बहुत कुछ सोचने को मजबूर कर दिया है। वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल से खास बातचीत में काबिना मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी से प्रभावित होकर 20 से 25 फीसद चमार समुदाय ने भाजपा को वोट किया था। कमोबेश यह सिलसिला

2024 के चुनाव को छोड़कर सभी चुनावों में बना रहा। हालिया लोकसभा चुनाव में अति पिछड़े वर्ग का एक बड़ा हिस्सा और अनुसूचित जातियों का रैदास संप्रदाय के चमारों का अच्छा खासा वोट इंडिया गठबंधन को मिला है। इन दोनों बड़े मतदाता वर्ग का इंडिया गठबंधन की ओर जाना भाजपा और एनडीए के लिए बेहद चिंता का सबब है। उनमें भरोसा पैदा करने के लिए भाजपा-एनडीए को नीतिगत निर्णय करने होंगे ताकि उनमें फिर से भरोसा पैदा हो सके। संविधान बदलने, आरक्षण समाप्त करने जैसे मुद्दों ने अति पिछड़ों और दलितों के बड़े हिस्से में भाजपा और एनडीए ने अविश्वास जताया और सपा नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों पर भरोसा

किया। अनिल कुमार का गृह जनपद सहारनपुर और राजनैतिक मुजफ्फरनगर जनपद है। अनिल कुमार बताते हैं कि दलितों में 70 फीसद जाटव और रैदास के मानने वाले चमार हैं। यह वर्ग हिंदू समाज में बराबरी का सम्मान चाहता है। 27 फीसद पिछड़ा वर्ग आरक्षण का बहुत कम लाभ अति पिछड़े समाज को हुआ है। इसी तरह सरकारी नौकरियों में लगातार अवसर घट जाने से एससी वर्ग को भी आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। निजी क्षेत्र फल-फूल रहा है। जहां आरक्षण की व्यवस्था नहीं है और सरकारी विभागों में भी जब से संविदा कर्मियों की भर्ती और आउट सोर्सिंग बढ़ी है तब से दलितों में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी की समस्या बनी है। वह उत्तर सरकार में काबिना मंत्री हैं। वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर सुझाव देंगे कि संविदा कर्मियों की भर्ती में आरक्षण लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि मायावती ने अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में यह व्यवस्था लागू की थी जिसे अखिलेश यादव ने समाप्त कर दिया था। इसे फिर से लागू किए जाने की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए और भाजपा में चमार खाप को अवसर मिले तो यह समुदाय भाजपा और एनडीए के साथ मजबूती से जुड़ सकता है। अभी इस समुदाय का नेतृत्व सहारनपुर के युवा दलित नेता और नगीना से निर्दलीय चुने गए सांसद चंद्रशेखर के पास है। चंद्रशेखर सत्ता के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि वह अनिल कुमार उत्तर प्रदेश सरकार में काबिना मंत्री हैं। उनके पास विज्ञान और प्रोद्योगिकी जैसा मंत्रालय है जिसका आम जनता अथवा दलितों और गरीबों के हितों से कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 10 विधानसभा सीटों के उपचुनाव होने वाले हैं। उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जल्द होने वाले विधानसभा चुनावों का प्रभारी बनाया है। सोमेंद्र तोमर और केपी मलिक दो राज्यमंत्री भी उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री की मंशा सभी दस सीटों पर चुनाव जीतने की है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार और एनडीए को तत्काल ऐसे निर्णय लेने होंगे जिससे उत्तर प्रदेश का राजनीतिक माहौल बदले और जो गलतियां, खामियां लोकसभा चुनावों में सामने आई हैं उसे दूर किया जाए। उन्होंने भरोसे के साथ कहा कि यदि लोकसभा चुनावों में छिटका मतदाता समूह वापसी कर सकता है जरूरत कारगर कदम उठाने की है।

राष्ट्रपति भवन का दरबार हॉल अब गणतंत्र मंडप, अशोक हॉल बना अशोक मंडप

नई दिल्ली। राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल और अशोक हॉल का अब नाम बदल गया है। अब दरबार हॉल को गणतंत्र मंडप के नाम से जाना जाएगा। वहीं अशोक हॉल को अशोक मंडप कहा जाएगा। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से इस बारे में जानकारी दी गई है। सचिवालय ने बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति भवन देश का प्रतीक है और समृद्ध विरासत का संकेत देता है। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से कहा गया कि लगातार यह प्रयास किए जा रहे हैं कि राष्ट्रपति भवन तक लोगों की पहुंच बढ़ाई जाए। इसके अलावा राष्ट्रपति भवन की पहचान को भारतीय संस्कृति के मूल्यों और भावनाओं के साथ जोड़ा जा रहा है। इसी विचार के आधार पर ही राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल का नाम अब गणतंत्र मंडप रहेगा। इसके अलावा अशोक हॉल का नाम अब अशोक मंडप रहेगा।

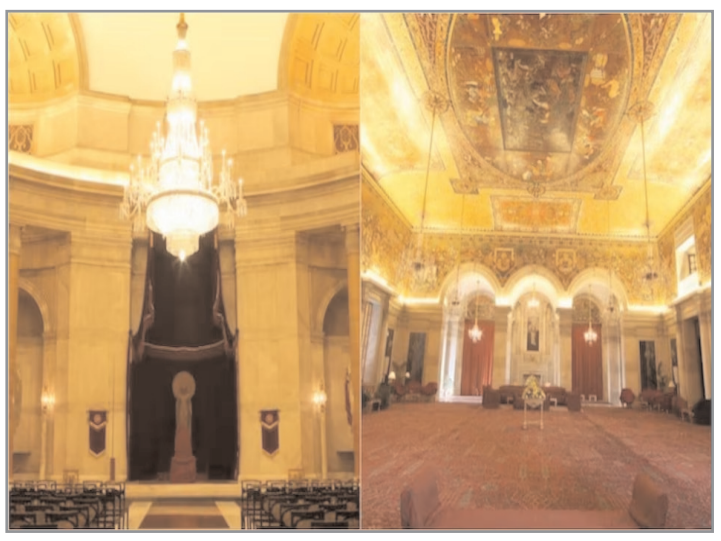

दरबार जैसा शब्द इस्तेमाल करना सही नहीं

राष्ट्रपति भवन की ओर से कहा गया कि राष्ट्रपति भवन में होने वाले महत्वपूर्ण आयोजन दरबार हॉल में ही होते रहे हैं। राष्ट्रीय सम्मान भी यहीं पर प्रदान किए जाते हैं। ऐसे में अब इस हॉल का नाम गणतंत्र मंडप रहेगा। दरबार का अर्थ किसी शासक की अदालत या फिर असेंबली के स्थान के तौर पर लगाया जाता है। ऐसे में गणतंत्र मंडप नाम रखना सही है, जो लोकतांत्रिक प्रतीत होता है। राष्ट्रपति भवन की ओर से कहा गया कि भारत अब एक गणतंत्र है। ऐसे में दरबार जैसा शब्द इस्तेमाल करना सही नहीं है। भारतीय समाज में गणतंत्र की परिभाषा प्रचीन है। इसलिए दरबार हॉल का नाम अब गणतंत्र मंडप कर दिया गया है।

अशोक हॉल की जगह मंडप

राष्ट्रपति भवन की ओर से कहा गया कि अशोक हॉल का इस्तेमाल बॉलरूम के तौर पर होता रहा है। अशोक का अर्थ होता है- किसी भी तरह के शोक से मुक्त होना है। ऐसे में अशोक नाम को बनाए रखा जाएगा, लेकिन उसके साथ अब हॉल की जगह मंडप शब्द जोड़ा जाएगा। इसके अलावा अशोक हॉल का नाम प्राचीन भारत के सम्राट अशोक पर रखा गया है। सम्राट अशोक के शासन को भारत में समावेशी और सहिष्णु माना जाता है। यही नहीं भारत के राष्ट्रीय प्रतीक अशोक की लाट का भी सम्राट अशोक से ही संबंध है। अशोक की लाट में शेर बना हुआ होता है। इसके अलावा अशोक नाम का एक वृक्ष भी है, जिसकी भारत में मान्यता रही है।

प्रियंका गांधी ने कसा तंज

दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदले जाने परकांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इस देश में दरबार का कॉन्सेप्ट नहीं है, लेकिन शहंशाह का कॉन्सेप्ट है।

बीकॉम चौथे वर्ष के सभी विषय एक जैसे, सवालों के घेरे सिलेबस

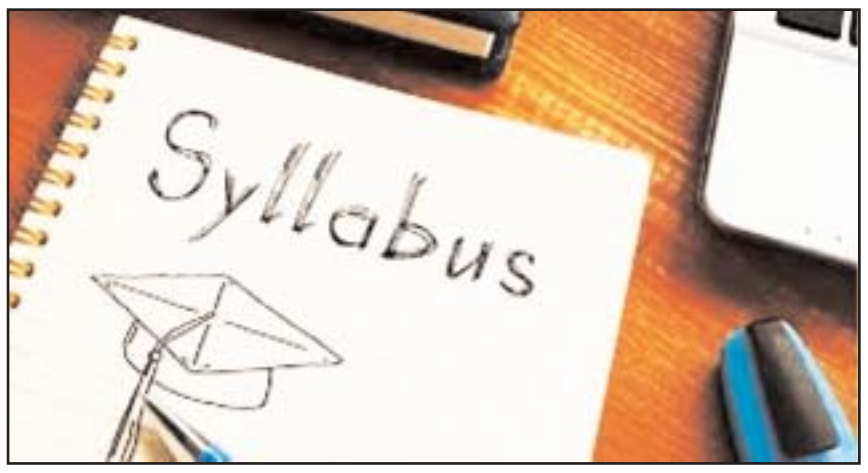

इंदौर। मप्र के कॉलेजों में नई शिक्षा नीति के तहत यूजी कोर्स में अनोखा मामला देखने को मिला है। यहां नई शिक्षा नीति के यूजी कोर्स में पहली बार शुरू हो रही चौथे वर्ष की पढ़ाई के लिए बीकॉम का सिलेबस जारी हुआ है, जो अब सवालों के घेरे में है। उच्च शिक्षा विभाग ने बीकॉम चौथे वर्ष में ऑनर्स व ऑनर्स विद रिसर्च के लिए एम.कॉम प्रीवियस का ही सिलेबस लागू कर दिया है। यहां बीकॉम ऑनर्स में एम.कॉम के चारों विषय ऑगेर्नाइजेशन बिहेवियर (संगठनात्मक व्यवहार), एडवांस स्टेटिस्टिकल एनालिसिस (उच्चतर सांख्यिकीय विश्लेषण), फाउंडेशनल मैनेजमेंट (कार्यात्मक प्रबंध) और कॉस्ट एनालिसिस एंड कंट्रोल को शामिल किया गया है। यही नहीं, ऑनर्स विद रिसर्च में भी यही चारों विषय शामिल किए गए हैं, सिर्फ एक विषय रिसर्च मेथड लॉजी अलग से शामिल किया है।

एक्सपर्ट ने दी यह राय

अब एक्सपर्ट सवाल उठा रहे हैं कि जब एमकॉम का सिलेबस लागू करना था तो नई शिक्षा नीति का मतलब ही क्या रह गया। इधर, जानकारों का कहना है कि बीकॉम चौथे वर्ष में तो एडवांस्ड सिलेबस दिया जाना था। शिक्षाविद प्राचार्य डॉ. मंगल मिश्र बोले, नई पॉलिसी में फाइनल ईयर में जो सब्जेक्ट पढ़ाए गए, उनका ही एडवांस सिलेबस बीकॉम चौथे वर्ष में लागू करना था। मिश्र के अनुसार, ऑनर्स विद रिसर्च में रिसर्च से जुड़ा सिर्फ एक ही विषय दिया गया है, जबकि कम से कम दो होना चाहिए। प्राचार्य डॉ. अनस इकबाल कहते हैं कि सिलेबस एक जैसा होने से छात्र तय नहीं कर पा रहे कि बीकॉम ऑनर्स का विकल्प चुने या एमकॉम में ही एडमिशन लें।

पहली बार में ही उठे सवाल

2024 में नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार परंपरागत यूजी कोर्स के छात्रों को चौथे वर्ष में प्रवेश मिलना शुरू हुआ है। पहली बार में ही सिलेबस को लेकर सवाल उठना शुरू हो गए हैं। जिन छात्रों को यूजी फाइनल ईयर में 7.5 सीजीपीए मिले हैं, उन्हें ही ऑनर्स विद रिसर्च में प्रवेश मिलेगा, जबकि ऑनर्स के लिए 75 सीजीपीए की अनिवार्यता नहीं है।

डीएवीवी से सिर्फ 5 कॉलेजों की संबद्धता

कॉलेजों में चौथे वर्ष की पढ़ाई में एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। पहली बार यूजी के 11 कोर्स में शुरू हो रही चौथे वर्ष में ऑनर्स की पढ़ाई के लिए सिर्फ 5 कॉलेजों ने डीएवीवी से संबद्धता ली है। जबकि परंपरागत कोर्स के कुल 162 कॉलेज हैं। यही नहीं, ऑनर्स विद रिसर्च के लिए सिर्फ 2 कॉलेजों ने संबद्धता ली है। इसके पीछे कारण है कि देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी कॉलेजों से चौथे वर्ष की ऑनर्स और ऑनर्स विद रिसर्च की संबद्धता के लिए 1 लाख रुपए प्रति कोर्स शुल्क मांग रही है।

एक साल बाद हो निर्णय

शुल्क तय होते ही कॉलेजों ने विरोध शुरू किया। कहा कि जब एडमिशन का ही पता नहीं है तो संबद्धता शुल्क की जल्दी क्या है? चौथे वर्ष में पहली बार प्रवेश हो रहे हैं, इसलिए एक साल बाद इस पर निर्णय लिया जाना चाहिए। वैसे भी यह संबद्धता पुरानी है जिसे आगे बढ़ाया जा रहा है। बहरहाल, बीए, बीकॉम, बीएससी और बीसीए, बीबीए जैसे कोर्स के जिन छात्रों ने अभी फाइनल ईयर के एग्जाम पास किए हैं, उनके पास चौथे वर्ष में प्रवेश के लिए सिर्फ पांच कॉलेजों के ही विकल्प रहेंगे।

पाकिस्तान से वतन लौटकर गीता पूरा कर रहीं पढ़ाई का सपना

इंदौर। पाकिस्तान से लौटी गीता ने मध्यप्रदेश राज्य मुक्त बोर्ड की ओर से आयोजित कक्षा 8वीं की परीक्षा में सामाजिक विज्ञान और संस्कृत में विशेष योग्यता के साथ 600 में से 411 अंक हासिल किए हैं। गीता का असली नाम राधा है। 20 साल पहले वह भटककर पाकिस्तान पहुंच गई थीं। मूक-बधिर गीता को 26 अक्टूबर 2015 को पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के प्रयासों से भारत लाया गया था। पाकिस्तान से भारत लौटने के बाद गीता करीब 5 साल तक इंदौर में रही थीं। इस दौरान उनके माता-पिता को खोजा गया था। गीता अभी महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औरंगाबाद) जिले में रहती हैं। गीता ने इंदौर के एक गैर-सरकारी संगठन आनंद सर्विस सोसाइटी के जरिये कक्षा आठवीं की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने कक्षा 8वीं परीक्षा में पहला स्थान हासिल किया।

सरकारी नौकरी पाना चाहती हैं गीता गीता ने सांकेतिक भाषा के जरिये बताती हैं कि कक्षा आठवीं के परिणाम के बाद सरकारी नौकरी के लिए आवेदन करना चाहती हूं, मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए परिवार की मदद करना चाहती हूं। मैं अकेली नहीं मेरी मां बहुत संघर्ष कर रही हैं, कच्चा घर है इसलिए महाराष्ट्र या मध्यप्रदेश जहां भी सरकारी नौकरी मिलती है, वहां ही मां के साथ रहुंगी। इसके साथ ही आगे की पढ़ाई भी जारी रहेगी।

पढ़ाई आत्मनिर्भर बनने का रास्ता गीता सांकेतिक भाषा के जरिये बताती हैं कि पुरोहित सर ने कहा था कि पढ़ाई के जरिये ही आत्मनिर्भर बना जा सकता है, इसलिए मैंने पढ़ाई को मंजिल तक पहुंचने का जरिया बनाया। कक्षा 8वीं के परिणाम जारी होते ही मैंने और मां ने दोस्तों परिजनों में मिठाई बांटी, यह मेरी मंजिल की तरफ पहला कदम था, जिसे मैंने पार कर लिया है।

गीता परिणाम को लेकर बहुत उत्साहित एनजीओ आनंद सर्विस सोसाइटी के सचिव ज्ञानेंद्र पुरोहित ने कहते हैं कि वीडियो कॉल पर इशारों की जुबान में बातचीत के दौरान गीता अपने परीक्षा परिणाम को लेकर बहुत उत्साहित हैं, अब वे सरकारी नौकरी करने के अलावा अपनी पढ़ाई जारी रखने की इच्छुक हैं। केंद्र और राज्य सरकार के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास है। गीता अब इस श्रेणी में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्र हैं। हमारी कोशिश है कि मध्यप्रदेश या महाराष्ट्र में गीता को सरकारी नौकरी मिले, इसके लिए हमने कोशिशें भी शुरू कर दी हैं।

मां भी चाहती हैं आत्मनिर्भर बने गीता संस्था के पुरोहित ने बताया कि वर्तमान में गीता अपनी मां मीना पंधारे के साथ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में रहती हैं। गीता का परिवार गरीब है और वह आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने के लिए नौकरी करना चाहती हैं। गीता अभी शादी नहीं करना चाहती। परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहती हैं। गीता ने अपनी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन वह अपनी ज्यादा बातें परिवार के सामने नहीं रखना चाहती हैं। बताते चलें कि गीता की मां भी चाहती हैं कि गीता अपने सपनों को पूरा करें, इसके लिए वह जहां कहेंगी, उसके साथ रह लेंगी।

अब पांच ईसाइयों ने हिन्दू धर्म अपनाया, गणेश मंदिर में हुआ शुद्धिकरण

इंदौर। इंदौर शहर में हाल के महीनों में धर्म परिवर्तन के कई मामले सामने आए हैं। विशेषकर इस्लाम से हिंदू धर्म अपनाने की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हुई हैं। हालांकि, धर्म परिवर्तन कोई नई बात नहीं है, लेकिन इन घटनाओं की आवृत्ति और पैमाने ने लोगों का ध्यान खींचा है। गुरुवार को भी देवास के एक ईसाई परिवार के पांच सदस्यों ने इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में हिंदू धर्म अपनाया है। इससे पहले ज्यादातर मामले मुस्लिम समुदाय से जुड़े थे, लेकिन इस घटना ने एक नया आयाम जोड़ दिया है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल जैसे हिंदू संगठन इन धर्म परिवर्तन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। ये संगठन धर्म परिवर्तन की प्रक्रिया में मदद, धार्मिक मार्गदर्शन और नव परिवर्तित लोगों को सहयोग प्रदान कर रहे हैं। हालांकि, हालिया ईसाई परिवार के धर्म परिवर्तन के दौरान इन संगठनों के शीर्ष नेताओं की अनुपस्थिति कई सवाल भी खड़े कर रही है।

सनातन धर्म से हुए प्रभावित इंदौर में गुरुवार को एक ईसाई परिवार के पांच लोगों ने धर्म बदला है। ये सभी मूल रूप से देवास के हैं और कुछ समय से खजराना में रह रहे थे। परिवार में पति-पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा शामिल है। इनका कहना है कि हम सनातन धर्म से काफी प्रभावित हैं इसलिए घर वापसी की है। सुबह 11.30 बजे ये सभी खजराना स्थित पाटीदार धर्मशाला पहुंचे। यहां विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के कार्यकताओं की मौजूदगी में शुद्धिकरण हुआ। फिर हवन पूजन के बाद ये सभी खजराना मंदिर पहुंचे और गणेशजी के दर्शन किए। अब इनके नाम एंजिल से आर्यन, रोजी से बुलबुल, मैरी से उषा, रोनाल्ड से राहुल और रुही से ऋतु हो गए हैं। इनमें रोजी की उम्र तीन वर्ष है।

ढाई महीने में 50 से ज्यादा मामले बता दें कि इससे पहले 50 से ज्यादा मुस्लिम अलग-अलग कार्यक्रमों में हिंदू धर्म अपना चुके हैं। ईसाई धर्म से जुड़ा यह संभवत: पहला मामला है। इंदौर में इससे पहले पिछले ढाई महीने में धर्म परिवर्तन के तीन कार्यक्रम हो चुके हैं। देखने वाली बात है कि अब 50 से ज्यादा मुस्लिमों ने धर्म बदला है। सभी कार्यक्रम खजराना गणेश मंदिर में ही हुए हैं। आज के इस चौथे कार्यक्रम में पहली बार किसी ईसाई परिवार ने हिंदू धर्म अपनाया है। इससे पहले 27 अप्रैल को 8 मुसलमानों ने हिंदू धर्म अपनाया फिर इसके बाद 28 जून को 35 मुसलमानों ने हिंदू धर्म अपनाया। एक सप्ताह पहले ही 14 मुसलमानों ने हिंदू धर्म अपनाया। यह सभी कार्यक्रम खजराना गणेश मंदिर में ही हुए।

बच्ची ने मां को रोते हुए बताया...

ऑटो वाले अंकल मेरे कपड़े खोल देते हैं, कहते हैं चींटी निकाल रहा हूं

इंदौर । इंदौर जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में पांच साल बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने ऑटो रिक्शा ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित बच्ची को घर से स्कूल ले जाते समय हरकत करता था। तीन दिन पूर्व उसने बच्ची के नाजुक अंगों के साथ छेड़छाड़ की। बच्ची ने रोते हुए स्वजन को घटना बताई और इसके बाद थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। जोन-4 के एडिशनल डीसीपी आनंद यादव के मुताबिक बच्ची पलसीकर कालोनी क्षेत्र के निजी स्कूल में पढ़ती है।

स्कूल ले जाते वक्त गलत हरकत करता था ऑटो रिक्शा ड्राइवर कामेश बच्चों को स्कूल लाने व ले जाने का काम करता है। बच्ची की मां ने पुलिस को बताया कि बच्ची को घर से स्कूल ले जाते समय ऑटो रिक्शा ड्राइवर उसके साथ गलत हरकतें करता था।

बच्ची को दर्द हो रहा था वह बच्ची के कपड़े खोलता था और बच्ची के विरोध

करने पर कहता था चींटी निकाल रहा है। आरोपित कई दिनों से ऐसा कर रहा था। 23 जुलाई को भी उसने इसी तरह की हरकत की। बच्ची को काफी दर्द हो रहा था।

पुलिस के पास पहुंचकर घटना बताई मां ने उससे पूछा तो बताया ऑटो वाले अंकल ने उसके साथ हरकत की है। स्वजन बच्ची की पीड़ा सुनकर घबरा गए। शाम को थाने पहुंचे और पूरी घटना बताई। पुलिस ने तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इस मामले में उससे पूछताछ कर रही है। घटना के बाद से बच्ची डरी हुई है।

मध्यप्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर लड़ेंगे उपचुनाव

भोपाल। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव और पूर्व विधायक सुनीलम ने गुरुवार को भोपाल में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस के साथ मिलकर उपचुनाव लड़ने की बात कही है। प्रदेश में छिंदवाड़ा जिले के अमरवाड़ा उपुचनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। अब विजयपुर और बुधनी में उपचुनाव होने है। सपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने कहा कि अभी हम गठबंधन में है। अभी की स्थिति में मिलकर ही चुनाव लड़ेंगे। हमारा उद्देश्य भाजपा को हराना है। वहीं, सागर जिले में दलित युवक की हत्या मामले में समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। पूर्व विधायक सुनीलम ने आरोप लगाया कि पुलिस पीड़ित पक्ष को धमका रही है। उनको जान से मारने की धमकी दे रही है। उन्होंने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। डॉ. यादव ने कहा कि पहले दलित युवक की हत्या की जाती है। फिर उसकी बहन की हत्या कर दी जाती हैं। वहीं, उन्होंने पीड़ित पक्ष पर दर्ज मामले को वापस लेने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। बता दें सागर जिले के खुरई बरोदिया नौनागीर गांव के दलित युवक नितिन की आरोपियों ने पीट पीट कर हत्या कर दी थी।

मां नर्मदा की 1101 फीट की चुनरी, महिलाओं ने थामी, ढंक गई पूरी सड़क

इंदौर। सावन माह में 10 यात्राओं के माध्यम से 40 हजार से अधिक श्रद्धालु ओंकारेश्वर ममलेश्वर तीर्थ दर्शन करेंगे। संस्था सृजन के द्वारा 25 जुलाई से 3 अगस्त तक यह आस्था का प्रवाह होगा। गुरुवार को इंदौर के बड़ा गणपति से सुबह चुनरी यात्रा निकालकर इसकी शुरुआत की गई। इसमें महिलाएं 1101 फीट की चुनरी मां नर्मदा को चढ़ाने के लिए इंदौर से ओंकारेश्वर के लिए रवाना हुईं। एक पेड़ मां के नाम 51 लाख पौधारोपण अभियान के तहत प्रतिदिन पौधे भी रोपे जाएंगे, महर्षि महामंडलेश्वर स्वामी उत्तम स्वामी महाराज के सानिध्य में यह यात्रा निकली।

40 हजार लोग शामिल होंगे संस्था अध्यक्ष कमलेश खंडेलवाल, महेश दलोत्रा, संयोजक गोविन्द गोयल ओर महिला संयोजिका तनुजा खंडेलवाल ने बताया कि शिव आराधना के महीने सावन में शहर के अलग अलग क्षेत्र से ओंकारेश्वर ममलेश्वर तीर्थ दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था जाएगा। इस श्रावण मास में निकलने वाली यात्रा में 40 हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। इस एक दिनी यात्रा में महिलाओं को 45 बसों ओर छोटे चार पहिया वाहनों से ओंकारेश्वर ले जाया जाएगा। संस्था सृजन के तत्वाधान में 25 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगा। सन 2006 से शुरू हुई

यात्रा का यह 19 वां वर्ष है। मध्यप्रदेश में सबसे पहले प्रारंभ हुई संस्था सृजन की यात्रा है, संस्था से 50 हजार से अधिक महिलाएं जुड़ी हुई हैं।

1 करोड़ 51 लाख मंत्रों का जाप यात्रा के अवसर पर प्रतिदिन शामिल होने वाली मातृशक्ति नम शिवाय का जाप करेगी। सभी मातृशक्ति 1 करोड़ 51 लाख मंत्रों का जाप करेगी और ओंकारेश्वर में पार्थिव शिवलिंग का पूजन करेंगी। यात्रा महर्षि महामंडलेश्वर स्वामी उत्तम स्वामी महाराज के सानिध्य में निकलेगी।

कई दिन तक चलेंगे आयोजन खंडेलवाल ने बताया कि यात्रा की शुरूआत 25 जुलाई गुरुवार को बड़ा गणपति से हुई पहले दिन चुनरी यात्रा निकली जिसमें हजारों महिलाएं सुबह 8.30 बजे 1101 फीट की चुनरी लेकर मां नर्मदा को चढ़ाने निकली, बड़ा गणपति से शुरू हुई यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए संगम कॉर्नर पहुंची वहां से बसों से ओंकारेश्वर रवाना होकर मां को चुनरी चढ़ाएंगे, चुनरी चढ़ाने के बाद मां नर्मदा का जल लेकर महिलाएं कावड़ लेकर निकलेगी। फिर वेद मंत्रों के बीच महादेव का अभिषेक होगा। फिर 26 जुलाई को वृंदावन कालोनी, 27 जुलाई को नगीन नगर, 28 जुलाई को कुशवाह नगर से और 29 जुलाई को सुखदेव नगर से निकलेगी। वहीं 30 जुलाई को मरीमाता चौराहा से, 31 जुलाई को संगम नगर से निकलेगी। इसके बाद एक अगस्त को मल्हारगंज से और 2 अगस्त को प्रबुद्ध समाज जन यात्रा पर जाएंगे और 3 अगस्त को कार्यकर्ताओं की यात्रा रहेगी। यात्रा प्रतिदिन सुबह 8 बजे निकलेगी और रात को 9 बजे वापस आएगी।

बड़ेतालाब में पानी का स्तर1663.20 फीट तक पहुंचा

भोपाल। राजधानी भोपाल के बड़ेतालाब में पानी का स्तर1663.20 फीट पहुंच गया है। अब तालाब सिर्फ 3.60 फीट खाली है। इतना पानी और आने पर भदभदा डैम के गेट भी खुल जाएंगे। पानी की आमद लगातार हो रही है। भोपाल में गुरुवार सुबह से कभी तेज तो कभी हल्की बारिश हुई। शाम 4.30 बजे से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। कई जगहों पर मूसलधार बारिश हुई। इससे पूरा शहर तरबतर हो गया।

शहर में सुबह बूंदाबांदी हुई। सुबह 11 बजे के बाद रुक-रुककर हल्की और तेज बारिश शुरू हो गई। शाम को मूसलधार बारिश होने लगी। मौसम विभाग के अनुसार- रात में भी बारिश का दौर जारी रहेगा। कैचमेंट एरिया और कोलांस नदी में पानी लेवल से ज्यादा बहने की वजह से बड़ा तालाब का जलस्तर बढ़ रहा है। गुरुवार शाम तक भी पानी आया है।

एक-दूसरे से जुड़े तालाब-डैम कोलांस नदी का पानी बड़ा तालाब में पहुंचता है। जब तालाब फुल भर जाता है तो भदभदा डैम के गेट खोले जाते हैं। भदभदा डैम में साढ़े 3 फीट पानी और आते ही गेट खुल जाएंगे। इसके बाद कलियासोत डैम के गेट भी खुलेंगे। बता दें कि कोलांस, बड़ा तालाब, भदभदा और कलियासोत डैम एक-दूसरे से जुड़े हैं।

एक महीने में ही आधी से ज्यादा बारिश इस बार भोपाल मानसून की एंट्री 23 जून को हुई थी। तभी से बारिश का दौर जारी है। इस वजह से एक महीने में ही आधी से ज्यादा बारिश हो चुकी है। भोपाल में कुल सामान्य बारिश 37.6 इंच है। इसके मुकाबले अब तक 20 इंच पानी गिर चुका है।

दूसरे पखवाड़े में तेज बारिश का दौर जारी पिछले 10 साल के आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो 10 साल में यह सबसे कम बारिश है। साल 2015 और 2022 में सबसे ज्यादा 33.6 इंच पानी गिरा था, जबकि 2020 में 6.1 इंच बारिश हुई थी। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जुलाई के दूसरे पखवाड़े में तेज बारिश का ट्रेंड है। इस बार भी ऐसा ही मौसम बना हुआ है। 15 जुलाई के बाद से लगातार बारिश हो रही है। तेज बारिश का दौर जारी रहेगा।

जुलाई में 41 इंच बारिश का ओवरऑल रिकॉर्ड जुलाई महीने में भोपाल में जमकर बारिश होती है। इस महीने में 1031.4 मिमी यानी 41 इंच के करीब बारिश होने का रिकॉर्ड है। यह साल 1986 को हुई थी। वहीं, 22 जुलाई 1973 को 24 घंटे में 11 इंच बारिश हुई थी।

इस बार 106त्न बारिश का अनुमान भोपाल में इस साल सामान्य से 106% बारिश होने का अनुमान है। पिछली बार 18त्न कम यानी, 82% (30.9 इंच) बारिश हुई थी, जबकि भोपाल की सामान्य बारिश 37.6 इंच है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अबकी बार भले ही मानसून 3 दिन की देरी से पहुंचा, लेकिन अच्छा बरस रहा है।

भोपाल के एमपी नगर में मेट्रो स्टेशन पर गलत इंजीनियरिंग

भोपाल। कुछ दिनों पहले मुंबई के एक ब्रिज को लेकर खराब इंजीनियरिंग का मुद्दा खूब चर्चा में था। यहां गड़बड़ी के कारण बीएमसी की खिल्ली भी उड़ी। अब भोपाल के एमपी नगर के प्रगति पेट्रोल पंप के पास बन रहे मेट्रो स्टेशन पर गलत इंजीनियरिंग की बात सामने आई है। यहां मेट्रो स्टेशन के नीचे से गुजर रही सड़क पर से ट्राले और कंटेनर जैसे बड़े वाहनों को निकलने की पर्याप्त जगह नहीं दी गई। जब मामला सामने आया तो हल्ला मच गया। फिर इंजीनियरों ने दिमाग लगाया और सड़क को ही नीचे करने का रास्ता खोजा। अब मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क की खुदाई शुरू हो गई है। यहां सड़क से स्टेशन की ऊंचाई बढ़ाने के लिए यह कवायद की जा रही है। मेट्रो स्टेशन के नीचे पांच फीट से ज्यादा गहराई तक सड़क की खुदाई की गई है, ताकि यहां सड़क को दो फीट नीचे किया जा सके। इस मामले में पीडब्ल्यूडी के एसडीओ रवि शुक्ला का कहना है कि मेट्रो द्वारा सड़क को नीचे करने का काम किया जा रहा है, जिस तरह से यहां का डिजाइन बनाया है, उसके तहत बारिश के पानी का उतार पास में स्थित नाले में रहेगा। इससे जलभराव नहीं होगा।

सड़क से मेट्रो स्टेशन की ऊंचाई कम शहर के अन्य मेट्रो स्टेशनों की सड़क से ऊंचाई 5.5 मीटर है, लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही के कारण प्रगति पेट्रोल पंप के पास स्थित मेट्रो स्टेशन की सड़क से ऊंचाई केवल 4.5 मीटर ही बची है। ऐसे में यहां से बड़े वाहनों का निकलना मुश्किल था। मेट्रो स्टेशन के जिस हिस्से में सड़क को नीचा किया जा रहा है, वह पहले से ही गहराई में है। प्रगति पेट्रोल पंप और मानसरोवर कॉम्प्लेक्स दोनों ओर सड़क ढलान में है।

जलभराव के हालात भी बन सकते हैं वहीं सड़क को नीचा किए जाने से यहां जलभराव के हालात भी बन सकते हैं। मेट्रो रेल और पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदारों का कहना है कि सड़क के साथ ही यहां ड्रेनेज सिस्टम भी बनाया जाएगा, जो मानसरोवर कॉम्प्लेक्स की ओर स्थित नाले से जोड़ा जाएगा। इससे बारिश का पानी सड़क पर जमा नहीं होगा और नाले में उतर जाए।

मुंबई में यह हुआ था दरअसल मुंबई का गोखले ब्रिज बनने के बाद से ही पूरे देश में चर्चा में रहा था। अंधेरी ईस्ट-वेस्ट, बांद्रा, जुहू, वसोर्वा से जोगेश्वरी और बोरीवली के लिए लंबे इंतजार के बाद ब्रिज को खोला गया था। ब्रिज को पहले से बने दूसरे ब्रिज से जोड़ा जाना था, लेकिन दोनों ब्रिज में करीब डेढ़ से दो मीटर का फर्क आया था। इंजीनियरिंग की मिस-एलाइनमेंट की भूल के बाद लोगों ने बीएमसी की खूब खिल्ली उड़ाई थी।

पीसीसी चीफ पटवारी का दावा-90% बच्चे नहीं जा रहे स्कूल

सरकारी स्कूलों की टपक रही छत, शिक्षा व्यवस्था चरमराई

भोपाल। मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बारिश के चलते कई सरकारी स्कूलों में पानी भर गया है वहीं कई स्कूलों की छठे टपक रही है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की प्रायमरी, मिडिल, हाई और हाई सेकेण्डरी स्कूलों की व्यवस्था को लेकर कहा है कि मध्यप्रदेश में हजारों स्कूल ऐसे हैं जहां बारिश होने के कारण स्कूलों की छते टपक रही हैं। स्कूलों में लबालब पानी भरा हुआ है और इस कारण प्रदेश भर में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। इतना ही नहीं मप्र के हजारों स्कूलों के 90 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल ही नहीं जा रहे हैं और जो बचे हुये 10 प्रतिशत बच्चे जैसे-तैसे स्कूल जा रहे है तो उन्हें बैठक के लिए स्कूलों के कमरे तक नहीं है, वे शेड के नीचे बैठ कर पढ़ाई करने के लिए विवश हैं। स्कूलों का आलम यह है कि एक ही कमरे में पांच-पांच कक्षाएं संचालित हो रही है।

सीएम राईज स्कूल की छत गिरी, 10 बच्चे घायल पटवारी ने कहा कि बारिश के कारण नरसिंहपुर जिले में स्थित एक सीएम राईज स्कूल की छत गिर गई, जिसमें 10 बच्चे घायल हो गये। यह स्थिति केवल नरसिंहपुर नहीं, प्रदेश के विभिन्न जिलों की है जहां स्कूलों की छतें जर्जर अवस्था में है और 7500 स्कूलों की बिल्डिंग टूटी हुई हैं, इससे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है, लेकिन अपनी सुख सुविधाओं के साधन जुटाने में लगी सरकार की नजर इन स्कूलों पर नहीं पड़ रही है।

355 स्कूलों में बच्चे ही नहीं पटवारी ने कहा कि छिंदवाड़ा, दमोह, भोपाल, जबलपुर, सागर, शिवपुरी, उज्जैन, विदिशा सहित प्रदेश के 38 जिलों के 355 स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक तो पदस्थ हैं, पर स्कूलों में पढ़ने के लिए बच्चे नहीं हैं। मप्र में 50 हजार से अधिक शिक्षकों के पद खाली हैं और 2621 स्कूल ऐसे भी हैं, जिसमें एक भी शिक्षक पदस्थ नहीं है। इतना ही नहीं सैकड़ों हाई सेकेण्डरी स्कूल मप्र में ऐसे हैं, जहां गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र, इग्लिश लेटरेचर के शिक्षक ही नहीं हैं, 15500 स्कूल ऐसे हैं, जिसमें केवल एक ही शिक्षक है।

शैक्षणिक परिसर की संस्कृति महज ढांचा बनकर रह गई पटवारी ने कहा कि भाजपा राज में मप्र में शिक्षा की गुणवत्ता, उत्कृष्टता, अनुशासन और शैक्षणिक परिसर की संस्कृति महज ढांचा बनकर रह गई है। क्या होगा भविष्य के इन शिल्पकारों का, जिनसे प्रदेश और देश के भविष्य को संवारने की अनमोल अपेक्षाएं रहती है, प्रदेश के एक-एक बच्चे, युवा और नागरिक के लिए यह बेहद चिंता का विषय है। बच्चों के भविष्य को लेकर लच्छेदार और बड़ी-बड़ी बातें करने वाली प्रदेश की सरकार ने अपने मुंह पर ताला क्यों लगा रखा है प्रधानमंत्री जी, मुख्यमंत्री जी बतायें कि आखिर किस आधार पर आप विकसित राष्ट्र का ढिंढ़ोरा पीटते हैं

राहुल के पास पहुंचा धार युवक कांग्रेस अध्यक्ष का मामला

पार्टी नेताओं में मची खलबली

भोपाल। बिना शिकायत, सूचना और सुनवाई के धार युवक कांग्रेस अध्यक्ष को पद से हटाए जाने का मामला अब दिल्ली पहुंच गया है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इसकी शिकायत की गई है। शिकायत के बाद दिल्ली से भोपाल तक घनघनाते फोन कॉल्स ने प्रदेश कांग्रेस के नेताओं में खलबली मचा दी है। इसकी प्रतिक्रिया में अब यह नेता युवक कांग्रेस अध्यक्ष को धमकाने लगे हैं।

सूत्रों के मुताबिक बिना कारण अपदस्थ किए गए धार जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष करीम कुरैशी ने अपनी व्यथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने बयान की है। उन्होंने राहुल को किए ईमेल में पूरी स्थिति से अवगत कराते हुए व्यवस्था देने की गुजारिश की है। करीम कुरैशी ने इस ईमेल में अपना राजनीतिक ट्रैक रिकॉर्ड दशार्ते हुए यह भी बताया है कि वे धार नगर पालिका परिषद में नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से पार्टी का काम कर रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि नेता प्रतिपक्ष या युवक कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए न तो उन पर कोई लांछन लगा और न ही उनके खिलाफ अब तक कोई शिकायत ही हुई है। ऐसे में बिना किसी कारण, बिना कोई सूचना के किसी निर्वाचित पदाधिकारी को पद से हटाया जाना न्याय संगत नहीं है। करीम ने राहुल गांधी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है।

भोपाल में मची खलबली सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी को मेल द्वारा शिकायत किए जाने के बाद मप्र कांग्रेस कमेटी में खलबली का माहौल है। बताया जा रहा है कि मेल के बाद दिल्ली से भोपाल आई खबरों के बाद कांग्रेस संगठन के एक आला पदाधिकारी ने करीम कुरैशी को कॉल पर धमकाया है। उनका कहना था कि अगर पार्टी में काम करना है तो इस तरह हंगामा करना बंद कर दो। पदाधिकारी ने इस बात के संकेत भी दिए कि उनके ईमेल के बाद दिल्ली से जवाब तलब किए जा रहे हैं।

दिल्ली में धरने की तैयारी में करीम सूत्रों का कहना है कि अपने ही संगठन द्वारा किए गए छलावे से करीम कुरैशी हताश हैं। वे प्रदेश के नेताओं की इस हठधर्मिता के खिलाफ दिल्ली में धरना करने की तैयारी में हैं। वे जल्द ही दिल्ली जाकर अपनी व्यथा राहुल गांधी को सुनाएंगे।

डोंडाचूरा मामले में पिता-पुत्र और ड्राइवर को 14-14 साल की सजा

भोपाल। भोपाल न्यायालय ने 7 साल से चल रहे डोंडाचूरा की तस्करी के मामले में आज तीन आरोपियों को 14-14 साल की सजा और 1-1 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। आरोपी डोंडाचूरा को मूंगफली के छिलके के साथ पीसकर उसका व्यापार करते थे। थाना ईटखेड़ी में आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।थाना ईटखेड़ी प्रभारी चैनसिंह रघुवंशी ने बताया कि उन्हें दिनांक 18 अक्टूबर 2017 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि आरोपी बाबू खान, उनका बेटा रईस खान और ड्राईवर शांतिलाल परेवाखेड़ा के जैन गोदाम में मादक पदार्थ डोंडाचूरा रखे हुए

हैं। सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।जब टीम ने गोदाम की तलाशी की तो वहां चार स्थानों पर प्लास्टिक की बोरियों के ढेर मिले। जिनमें से तीन ढेरों में डोंडाचूरा का पाउडर और एक ढेर में मूंगफली के छिलके पाए गए। मौके पर ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और सभी ढेरों से 5-5 किलो के नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए आरएफएसएल, भोपाल भेजा गया। जांच में डोंडाचूरा की पुष्टि हुई।पुलिस की यह कार्यवाही तीन दिन तक चली, जिसमें 593 बोरियों का कुल वजन 175 क्विंटल और 187 बोरियों मूंगफली के छिलकों का वजन 112 क्विंटल पाया गया।जांच के दौरान यह पता चला कि आरोपी डोंडाचूरा को मूंगफली के छिलकों के साथ पीसकर बेचने का व्यापार करते थे, जिससे वे कम समय में ज्यादा पैसा कमा सकें।

फिलिस्तीन की मस्जिद ए अक्सा के चीफ इमाम निजी यात्रा पर पहुंचे भोपाल

भोपाल। फिलिस्तीन की मस्जिद ए अक्सा के चीफ इमाम शेख अली उमर अब्बासी की एक झलक पाने के लिए लोग बेचैन हो रहे हैं। अब्बासी अपनी निजी यात्रा पर बुधवार को राजधानी भोपाल आए हैं। मस्जिद ए अक्सा से मुस्लिम आस्था इसलिए मानी जाती है कि यह स्थान मक्का और मदीना के बाद उनका तीसरा बड़ा आस्था केंद्र यही है। इस्लामी मान्यता के मुताबिक पैगंबर हजरत मुहम्मद की अपने रब से मुलाकात इसी जगह पर हुई थी। इसके अलावा मुहम्मद साहब ने इसी मस्जिद ए अक्सा में तमाम पैगंबरों को नमाज की इमामत की थी। अब्बासी इसी मस्जिद में करीब 40 साल से इमामत कर रहे हैं और अब यहां वे चीफ इमाम हैं। बुधवार को राजधानी के खानूगांव क्षेत्र में दावत ए खास आयोजित की गई थी। इस मौके को नजदीक से देखने और मस्जिद ए अक्सा के चीफ इमाम से मिलने के लिए लोगों में बेहद उतावलापन देखा गया। जो लोग उनसे मुलाकात नहीं कर पाए, वे इसको लेकर अफसोस में भी दिखाई दिए।

ताजुल में आज अदा कराएंगे नमाज सूत्रों का कहना है कि अब्बासी अपनी इस यात्रा के दौरान शुक्रवार को ताजुल मसाजिद में नमाज ए जुमा अदा कराएंगे। बताया जा रहा है कि शहर के लोगों को सुलभ पहुंच और मुलाकात का मौका देने की मंशा के साथ यह प्रोग्राम तय किया गया है।

तीनों धर्मों का आस्था केंद्र मस्जिद ए अक्सा फिलिस्तीन और इसराइल के बीच जारी घमासान के बीच इस बात को भी रेखांकित किया जाता है कि मस्जिद ए अक्सा सिर्फ इस्लाम ही नहीं बल्कि अन्य धर्मों का आस्था केंद्र भी है। बताया जाता है कि करीब 35 एकड़ भूमि पर फैली मस्जिद ए अक्सा में यहूदियों और ईसाई धर्म के लोग भी आस्था रखते हैं।

कुछ को ऐतराज भी अपनी निजी और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को लेकर भारत आए चीफ इमाम अब्बासी की यात्रा पर कुछ लोगों को ऐतराज भी है। इसराइल और फिलिस्तीन के बीच छिड़ी जंग के हालात में अब्बासी की आरामदायक यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की जा रही हैं। इनमें कहा जा रहा है कि एक तरफ फिलिस्तीन में लोग भूख से मर रहे हैं और चीफ इमाम यहां आलिशान दावतों का लुत्फ उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि फिलिस्तीन में हजारों लोग बेघर हो गए हैं और यहां इमाम मखमली गद्दों पर आराम कर रहे हैं।

मदरबुल फार्म और बैरागढ़ चिचली में टाइगर का मूवमेंट

भोपाल। भोपाल में दो जगहों पर टाइगर का मूवमेंट देखने को मिला है। केरवा रोड स्थित मदरबुल फार्म के पास टाइगर ने एक गाय का शिकार किया, जबकि बैरागढ़ चिचली में गाय पर हमला कर दिया। टाइगर के मूवमेंट से लोगों में दहशत है। इधर, वन विभाग की टीमें भी सर्चिंग कर रही हैं। मदरबुल फार्म फारेस्ट एरिया के पास है। आसपास के इलाकों में टाइगर का मूवमेंट रहता है। ऐसे में वे फार्म में भी आ जाते हैं। 7 महीने पहले सूअर का शिकार करते हुए एक बाघिन पहुंच गई थी। इसके अलावा स्ट्रीट डॉग का शिकार करने के लिए एक बाघ 8 फीट ऊंची बाउंड्रीवॉल कूद गया था। पिछले महीने जून में टाइगर फार्म की मार्डन डेयरी के पास पहुंच गया था। अब फार्म के आसपास एक गाय का शिकार किया है। डीएफओ आलोक पाठक ने बताया, रात में एक गाय का शिकार हुआ है। सर्चिंग की जा रही है।

रात में जंगल गई थी गाय, पीठ-पैर पर हमला किया टाइगर के शिकार का दूसरा मामला बैरागढ़ चिचली में हुआ है। यहां के विकास मीणा की गाय पर टाइगर ने हमला कर दिया। विकास ने बताया, बुधवार को गाय जंगल में चरने गई थी। तभी उस पर टाइगर का हमला हुआ, लेकिन गाय बचकर घर के बरामदे में आ गई। गुरुवार सुबह देखा तो गाय लहुलुहान हालत में थी। उसकी पीठ और पैर की तरफ गहरे जख्म है। पशु चिकित्सक से इलाज कराया गया। वन विभाग की टीम ने भी सर्चिंग की है।

साम्पदकीय

निर्यात करने वाला किसान अब भी गरीब

किसान से औने-पौने दाम पर उपज खरीदी जाती है और फिर सरकारी एजेंसियां उसे महंगे दामों पर बाहर देशों को बेचती हैं। यही घरेलू बाजार में होता है। किसान कार्ड की सुविधाओं को बढ़ाया जा सकता है। कुछ सबसिडी भी घोषित की जा सकती है, लेकिन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर सरकार कोई ठोस घोषणा करेगी? सरकारी अर्थव्यवस्था के कोर सेक्टर की स्थिति क्या रहेगी? आधारभूत ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों की प्रगति के लिए कितना बजट तय किया जाएगा, यह भी महत्वपूर्ण संभावना है।

आज तीसरी मोदी सरकार का पहला संपूर्ण, राष्ट्रीय बजट संसद में पेश किया गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने अब भी बजट बनाया है। बजट से देश को कई उम्मीदें और अपेक्षाएं हैं। बजट का फोकस क्या होगा, यह बजट को पढ़ने के बाद ही स्पष्ट होगा। देश के युवा की अहम समस्या बेरोजगारी है। बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 9 फीसदी से अधिक हो गई है। हालांकि सरकारी आंकड़े कुछ और बयां करते हैं। करीब 80 करोड़ भारतीयों के हाथ में स्थायी रोजगार नहीं है अथवा वे बेरोजगार हैं। मनरेगा का कायाकल्प बहुत जरूरी है, हालांकि पिछले बजट में उसकी राशि घटा दी गई थी। बेरोजगारी से महंगाई और गरीबी जुड़ी हैं। हालांकि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रीय दावे हैं कि महंगाई की औसत दर 5 फीसदी से कम है, लिहाजा वह नियंत्रण में है, लेकिन 127 रुपए किलो टमाटर मिले और अधिकतर दालें 150 रुपए किलो से अधिक बिक रही हैं, तो इस स्थिति को क्या कहेंगे? क्या ये दाम सस्ती व्यवस्था के सूचक हैं? महंगाई के साथ जमाखोरी और कालाबाजारी कितनी है, शायद बजट में उनका उल्लेख न हो, लेकिन महंगाई एक राष्ट्रीय समस्या है, जिसे बजट में संबोधित किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पद को ग्रहण करने से पहले देश को आश्वस्त किया था कि महंगाई पर लगाम कसी जाएगी। औसतन किसान बहुत गरीब है, लिहाजा प्रधानमंत्री ने उनकी आमदनी दोगुनी करने का वायदा किया था। वह अभी तक तो नहीं हुई है, अलबत्ता कुछ प्रयास जरूर किए गए हैं। चर्चाएं जारी हैं कि किसान की सम्मान निधि को 6000 रुपए सालाना से बढ़ाया जा सकता है। भारत ने 48,389 करोड़ रुपए का बासमती चावल निर्यात किया है। गेहूं और अन्य उपजों की स्थिति डांवाडोल रहती है, क्योंकि सरकार की नीतियां बदलती रहती हैं। इतना निर्यात करने वाला किसान अब भी गरीब है, यह विरोधाभासी सवाल है। इसके मायने हैं कि किसान से औने-पौने दाम पर उपज खरीदी जाती है और फिर सरकारी एजेंसियां उसे महंगे दामों पर बाहर देशों को बेचती हैं। यही घरेलू बाजार में होता है। किसान कार्ड की सुविधाओं को बढ़ाया जा सकता है। कुछ सबसिडी भी घोषित की जा सकती है, लेकिन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर सरकार कोई ठोस घोषणा करेगी? सरकारी अर्थव्यवस्था के कोर सेक्टर की स्थिति क्या रहेगी? आधारभूत ढांचे और विनिर्माण क्षेत्रों की प्रगति के लिए कितना बजट तय किया जाएगा, यह भी महत्वपूर्ण संभावना है। लघु, सूक्ष्म, मध्यम उद्योगों के लिए सरकार कितना बजट आवंटित करेगी, यह इसलिए अहम है, क्योंकि ये उद्योग कोरोना महामारी के दौरान तालाबंदी की स्थिति में आ गए थे। चूंकि इन उद्योगों में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं, लिहाजा सरकार इस क्षेत्र का जीर्णोद्धार करना चाहेगी! देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। इतना कर्ज क्यों लिया गया और अब भुगतान की स्थिति क्या है, क्या बजट में इसका खुलासा किया जाएगा। बजट की दृष्टि से राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा कितना है, बजट में इसका खुलासा तो किया जाता है, लेकिन ये अपेक्षित औसत में कब आएंगे, देश को इसकी जानकारी भी होनी चाहिए। बेशक बजट शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, अंतरिक्ष, विशेष अभियानों आदि पर पर्याप्त दिया जाना चाहिए, ताकि हम भावी आपदाओं के लिए पूरी तरह तैयार रह सकें। बजट में औसत नागरिक को आयकर पर छूट पर्याप्त है, लेकिन देश में आर्थिक असमानता की खाई को भरा जाना चाहिए। इसके अलावा, शिक्षा, गृह, निजी ऋणों को बैंकों में अपेक्षाकृत सस्ता किया जाना चाहिए। इन पर ब्याज दरें अब भी काफी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक के विभिन्न आकलनों के मुताबिक, भारत की सालाना आर्थिक विकास दर 7-8 फीसदी है, जो विश्व में सर्वाधिक है। भारत दुनिया में सबसे तेज अर्थव्यवस्था वाला देश है। इसका उल्लेख बजट में भी होगा, लेकिन विकसित बनाम गरीब का इतना गहरा विरोधाभास भारत में क्यों है? हमें उम्मीद है कि बजट के लिए यह सवाल स्वीकार्य नहीं होगा। यह सुखद स्थिति है कि कच्चे तेल के आयात पर खर्च में काफी कमी आई है, क्योंकि हम रूस से तेल खरीद रहे हैं। फिर भी 144 करोड़ की आबादी के लिए बजट सुखद होना चाहिए। प्रतीक्षारत हैं।

लोकतंत्र और राजनीतिक हिंसा

लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा का उमड़ता प्रभाव पूरे विश्व के लिए चिंताजनक है। आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक पेपर के मुताबिक लोकतंत्र और हिंसा का अपवित्र और गहन संबंध है। यहां तक कि दुनिया के सबसे परिपक्व लोकतंत्र भी इस तरह के गहरे संबंध को खत्म करने में असमर्थ रहे हैं।

प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेताओं ने अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा का उमड़ता प्रभाव पूरे विश्व के लिए चिंताजनक है। आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक पेपर के मुताबिक लोकतंत्र और हिंसा का अपवित्र और गहन संबंध है। यहां तक कि दुनिया के सबसे परिपक्व लोकतंत्र भी इस तरह के गहरे संबंध को खत्म करने में असमर्थ रहे हैं। उदाहरण के लिए 1980 के दशक के उत्तरार्ध और 2000 के दशक के बीच ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और जर्मनी जैसे पश्चिमी यूरोप के देशों में चरमपंथी समूहों की ओर से राजनीतिक हिंसा का विस्फोट देखा गया। हाल के वर्षों में, दुनिया ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) में ब्रेक्सिट मुद्दे, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन और 2020 और 2024 के अमरीकी चुनावों पर राजनीतिक हिंसा की घटनाएं देखी हैं। भारत जैसा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी राजनीतिक हिंसा से कभी अलग नहीं रहा है। जहां तक देशी लोकतंत्र के राजनीतिक कटु सत्य का सवाल है तो भारत में लोकतांत्रिक शासन की जो प्रणाली विकसित हुई है, चाहे कोई माने या न माने, वह अब सेवा की बजाय सत्ता और शक्ति केंद्रित हो गई है। पश्चिम के विकसित देशों में जनप्रतिनिधि लोगों की सेवा करने के लिए चुने जाते हैं, जबकि भारत में लोगों पर शासन करने के लिए जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं।

चुनाव जीतने पर मिलने वाली असीमित सत्ता और पैसा समूची राजनीतिक और चुनावी प्रक्रिया को किसी न किसी रूप में भ्रष्ट और हिंसक बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों में हिंसक राजनीतिक संघर्ष अक्सर देखने को मिलते हैं। लोकतंत्र की व्यवस्था कमाल की है। आज भी लोकतंत्र शासन व्यवस्था के उपलब्ध तरीकों में से एक बेहतर विकल्प माना जाता है, क्योंकि यह बुनियादी मानवीय मूल्यों के आधार पर पनपता है। लोकतंत्र का मतलब होता है जवाबदेही के साथ समाज के हित में समाज के साथ मिलकर निर्णय लेना और उन्हें लागू करना। वैसे तो देश चलाने के लिए कई तरह की व्यवस्थाओं के विकल्प मौजूद रहे हैं, लेकिन उन सबमें लोकतंत्र को सबसे बेहतर व्यवस्था माना गया है, क्योंकि इस व्यवस्था में अलग-अलग विचारों, मतों, परिस्थितियों को ध्यान में रख कर निर्णय लिए और लागू किए जाते हैं। यह केवल संख्याओं या बहुमत से चलने वाली व्यवस्था नहीं है। बहुमत के निर्णय को लागू करने से पहले यह देखना होता है कि व्यापक समाज के हित में क्या है? कहीं इससे अन्याय तो नहीं हो रहा है? कहीं किसी के साथ भेदभाव या शोषण तो नहीं हो रहा है? याद रहे कि लोकतंत्र में मूल्यों, उसूलों, मानकों का सबसे ज्यादा महत्व होता है। अगर बहुमत वाली व्यवस्था मूल्यों से भटक कर निर्णय लेने लगे, तो परिवार, समाज और देश को बहुत नुकसान पहुंचता है। लोकतांत्रिक समाज ज्यादा गहरा और स्थिर होता है। अगर कभी देश के ऊपर कोई संकट आता है, तब लोकतांत्रिक समाज इससे निपटने का काम केवल सरकार पर नहीं छोड़ देता है, बल्कि लोग खुद भी समाधान खोजने में जुट जाते हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा की मौजूदगी का एक बड़ा कारण संवादहीनता भी है। लोकतंत्र की पहली और सबसे बड़ी जरूरत संवाद है। यह एक ऐसा भावनात्मक तत्व होता है, जो लोगों को जोड़ता है। संवाद से ही एक-दूसरे के प्रति स्वीकार्यता पैदा होती है। जब भी लोकतंत्र को तोड़ना होता है, तब सबसे पहले संवाद को तोड़ा जाता है। कोई भी व्यक्ति जब अपना मत व्यक्त करता है, तब हिंसा से, डर से, भय से, दबाव से उसे अपना मत वापस लेने के लिए मजबूर किया जाता है।

यही राजनीतिक हिंसा का मूल तत्व होता है। आज अमरीकी लोकतंत्र को लेकर हमारी सोच सवालिया निशान लगा रही है। असल में डोनाल्ड ट्रंप पर हमला अमरीका में नफरत की बुनियाद पर बनाए जा रहे अमरीकी समाज की भयानक तस्वीर है। एक ताजा अमरीकन सर्वे में पाया गया कि 10 प्रतिशत लोग बल प्रयोग के जरिए भी ट्रंप को रास्ते से हटाने के पक्षधर हैं, तो 7 प्रतिशत ऐसे लोग भी हैं जो हर ताकत का इस्तेमाल कर ट्रंप को सत्ता में लाने के समर्थक हैं। यह रस्साकशी भी वहां राजनीतिक हिंसा के लिए एक कारक हो सकती है। शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप, जो शिकागो प्रोजेक्ट ऑन सिक्योरिटी एंड थ्रेट्स के डायरेक्टर भी हैं, ने नेशनल सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि 10 प्रतिशत अमरीकी वयस्क नागरिक, जिनमें से एक-तिहाई के पास बंदूकें हैं, वो इस बात से सहमत हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए बल का प्रयोग उचित है। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा की मौजूदगी किसी भी शासकीय व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। भारत में हो रही पॉलिटिकल किलिंग्स की संख्या चिंताजनक है। देश में 2017 से 2019 के बीच, यानी महज दो साल के भीतर करीब 230 हत्याएं राजनीतिक कारणों से हुईं। इनमें सबसे अधिक 49 हत्याएं झारखंड में हुईं। इसके बाद 27 हत्याएं पश्चिम बंगाल में हुईं और 26 हत्याएं बिहार में हुईं। ये आंकड़े सरकार ने लोकसभा में रखे थे। केरल में भी राजनीतिक हत्याओं के खूब मामले सामने आए हैं। 2006 से 2021 के बीच 125 पॉलिटिकल मर्डर हुए। इनमें से 30 मर्डर तो 2016 से 2021 के बीच ही हो गए। पश्चिम बंगाल में भी बीते कई सालों से स्थिति चिंताजनक है। पूरे विश्व में राजनीतिक हिंसा को रोकने के लिए राजनेताओं को आगे आना होगा। मीडिया की शिक्षा में टू स्टेप फलो मॉडल नाम की थ्योरी पढ़ाई जाती है। इस थ्योरी में कहा गया है, मास मीडिया के मुकाबले लोग ओपिनियन लीडर्स (नेता) की बातों से प्रभावित होते हैं। इसलिए राजनीतिक हिंसा को रोकने के लिए यह भी कहना जरूरी है कि विश्व के समस्त राजनेता संयम के साथ शब्दों का इस्तेमाल करें। राजनीतिक हिंसा के व्यक्तियों, समुदायों और समाजों पर दूरगामी परिणाम होते हैं। यह सामाजिक सामंजस्य को कमजोर करती है, संस्थाओं में विश्वास को कम करती है और राजनीतिक स्थिरता को बाधित करती है।

इसके प्रभाव तत्काल और दीर्घकालिक दोनों हो सकते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, राजनीतिक हिंसा से जान-माल की हानि, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक आघात, विस्थापन और आजीविका में व्यवधान होता है। हिंसा से प्रभावित समुदाय सामाजिक विभाजन, अविश्वास और टूटे हुए रिश्तों का अनुभव करते हैं। आर्थिक गतिविधियां अक्सर बाधित होती हैं, जिससे गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक गिरावट आती है। राजनीतिक हिंसा का शासन और मानवाधिकारों पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। यह कानून के शासन को चुनौती देती है, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करती है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करती है। राजनीतिक हिंसा के माहौल में मानव अधिकारों का उल्लंघन, जैसे कि पीड़ा, गायब होना और न्यायेतर हत्याएं, आम बात हो जाती हैं। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के अंतरराष्ट्रीय परिणाम हो सकते हैं। यह क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा दे सकती है, शरणार्थियों के प्रवाह को बढ़ा सकती है और उग्रवाद-आतंकवाद के लिए प्रजनन आधार प्रदान कर सकती है। राजनीतिक हिंसा के अतिशय प्रभाव पड़ोसी देशों को बाधित कर सकते हैं, अंतरराष्ट्रीय संबंधों को खराब कर सकते हैं और शांति निर्माण के प्रयासों में बाधा डाल सकते हैं। राजनीतिक हिंसा से निपटने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो इसके मूल कारणों से निपटे और स्थायी शांति को बढ़ावा दे। कानून का शासन मजबूत हो और संवाद-सुलह को बढ़ावा मिले।

बारिश का बदलता मिजाज डराने वाला है... इस साल सामान्य से छह प्रतिशत अधिक मानसून वर्षा का पूर्वानुमान

भारतीय मौसम विभाग ने इस साल के मानसून में सामान्य से छह प्रतिशत अधिक वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है। सरसरी तौर पर देखें, ?तो इस मानसून में छह फीसदी अधिक वर्षा की स्थिति सामान्य लग रही है। लेकिन मौसम विभाग के आंकड़ों पर ही गहराई से चिंतन करें, तो स्थिति कतई सामान्य नहीं है। देश के कुछ हिस्सों में पूर्वानुमान से कहीं अधिक वर्षा ने आफत मचा रखी है, जबकि कुछ हिस्सों के किसान पानी के लिए तरस रहे हैं। सामान्य से अधिक या सामान्य से कम, दोनों ही स्थितियां चिंता पैदा करने वाली हैं। मौसम विभाग सहित विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों के अध्ययनों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का पैटर्न निरंतर बदल रहा है, जिससे न केवल खेतीबाड़ी पर, बल्कि देश की आर्थिकी, स्वास्थ्य और बढ़ती दैवी आपदाओं के कारण जनधन की सुरक्षा पर भी असर पड़ रहा है। मौसम विभाग के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इस साल के मानसून में एक जून से लेकर 21 जुलाई तक देश के 244 जिलों में सामान्य वर्षा हुई, जबकि 241 जिलों में सामान्य से कम। 42 जिलों में सामान्य से बहुत कम और 76 जिलों में सामान्य से अत्यधिक कम वर्षा दर्ज हुई है। 121 जिलों में सामान्य से थोड़ी अधिक वर्षा हुई है। उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में अतिवृष्टि, नौ में सामान्य से अधिक, 27 में सामान्य, तो 27 जिलों में सामान्य से कम और छह जिलों में जबर्दस्त सूखे जैसी स्थिति है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में सामान्य से 49 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में भी क्रमश: 46 प्रतिशत और 38 प्रतिशत की भारी कमी है और ऐसा ही उत्तर प्रदेश में 34 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है। केरल के अलावा, अन्य दक्षिणी राज्यों में ज्यादातर अधिक या सामान्य वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने सन 1989 से लेकर 2018 तक दक्षिण पश्चिम मानसून के जून से लेकर सितंबर तक के आंकड़ों के आधार पर 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में दर्ज मानसूनी वर्षा की परिवर्तनशीलता का जो विश्लेषण किया है, उसमें गत 30 वर्षों की अवधि में देश के विभिन्न हिस्सों में वर्षा के वितरण में भारी असमानता उजागर हो रही है। इस विश्लेषण में उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, मेघालय और नगालैंड में 1989-2018 के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा में काफी कमी का रुझान दिखाया गया है। अरुणाचल प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ इन पांच राज्यों में वार्षिक वर्षा में भी काफी कमी का रुझान दिखाई देता है। विश्लेषण में भारी वर्षा वाले दिनों की आवृत्ति के संबंध में, सौराष्ट्र और कच्छ, राजस्थान के दक्षिण-पूर्वी भागों, तमिलनाडु के उत्तरी भागों, आंध्र प्रदेश के उत्तरी भागों और दक्षिण-पश्चिम ओडिशा के आसपास के क्षेत्रों, छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और मिजोरम, कोंकण और गोवा और उत्तराखंड में उल्लेखनीय वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने हाल ही में 'भारतीय क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन का आकलन' शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जो देश?में जलवायु चरम सीमाओं सहित क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में सतही वायु तापमान 1901-2018 के दौरान लगभग 0.7 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है, जिसके साथ ही वायुमंडलीय नमी की मात्रा में भी वृद्धि हुई है। हिंद महासागर की सतह के तापमान में भी 1951-2015 के दौरान लगभग 1 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। जलवायु परिवर्तनों के स्पष्ट संकेत भारतीय क्षेत्र में मानवजनित ग्रीनहाउस गैसों और एरोसोल फोर्सिंग के कारण उभरे हैं, और भूमि उपयोग और भूमि आवरण में परिवर्तन ने जलवायु चरम सीमाओं में वृद्धि में योगदान दिया है। इसलिए गर्म होते पर्यावरण और क्षेत्रीय मानवजनित प्रभावों के बीच पृथ्वी प्रणाली घटकों के बीच जटिल अंत:क्रियाओं ने पिछले कुछ दशकों में स्थानीय भारी वर्षा, सूखे और बाढ़ की घटनाओं आदि की तीव्रता में वृद्धि की है। वर्षा के बदलते पैटर्न के कई नकारात्मक प्रभाव सामने आ रहे हैं। इस बदलाव का सीधा असर कृषि पर हो रहा है। वर्षा के पैटर्न में बदलाव से पानी की कमी की समस्याएं बढ़ सकती हैं। भारी वर्षा से ऊपरी उपजाऊ मिट्टी के क्षरण के कारण उर्वरता कम होती है। यह परिवर्तन विभिन्न तरीकों से सार्वजनिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करता है। भारत के वर्षा पैटर्न में परिवर्तनों की भविष्यवाणी और प्रबंधन के लिए परिवर्तन के कारणों को समझना और उनकी निगरानी करना महत्वपूर्ण है। इस बदलते पैटर्न के प्रतिकूल प्रभावों के समाधान के लिए एकीकृत दृष्टिकोणों की आवश्यकता है, जिसमें जलवायु-लचीली कृषि, टिकाऊ जल प्रबंधन प्रथाएं, बाढ़ के जोखिमों को कम करने के लिए बुनियादी ढांचा विकास और बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल होने को बढ़ावा देने वाली नीतियां शामिल हों।

चंद्र और बिलपत्र लगाकर भस्म आरती में सजे बाबा महाकाल जटाधारी स्वरूप में किया श्रृंगार

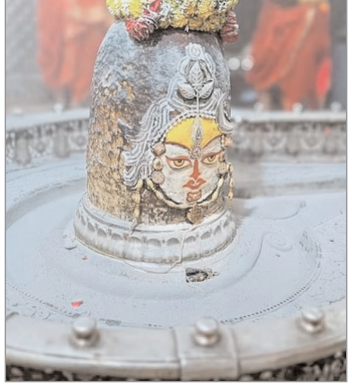

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज सबसे पहले वीरभद्र की आज्ञा लेकर चांदी गेट खोले गए और तड़के 3 बजे भस्मारती की शुरुआत हुई। जिसके बाद बाबा महाकाल का विशेष पूजन अर्चन कर भस्म आरती की गई।श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण कृष्ण पक्ष की षष्ठी और शुक्रवार के महासंयोग पर सुबह 3 बजे भस्म आरती के दौरान वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर मंदिर के पट खुले गए। पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया। प्रथम घंटाल बजाकर हरिओम का जल अर्पित किया गया।श्रृंगार की विशेष बात यह रही की आज पूजन सामग्री से बाबा महाकाल का ऐसा श्रृंगार किया गया कि बाबा जटाधारी स्वरूप में नजर आए। पुजारियों और पुरोहितों द्वारा विशेष श्रृंगार कर बाबा महाकाल की कपूर आरती की गई और फिर उन्हें नवीन मुकुट व मुंड माला धारण करवाई गई। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

भरे पानी क़े ट्रेक से निकली ट्रेन
लगातार हो रही बारिश से जगह जगह हुआ जल भराव

सुनील यादव। सिटी चीफ कटनी, पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश क़े चलते जगह जगह जगह जल भराव क़े दृश्य देखने क़ो मिले कही पुल नदी रोड से ऊपर बह रहे तो कही गांव क़े गांव पानी मे डूबने क़े दृश्य दिखे ऐसा ही एक दृश्य कटनी जबलपुर रेलखंड क़े स्लिमनबाद डुंडी स्टेशन मे देखने क़ो मिला जब यात्री ट्रेन पानी से भरे ट्रेक मे गुजरी ट्रेन मे सवार यात्री डरे सहमे से नजर आ रहे थे ट्रेन क़ो ट्रेकमेन व रेल्वे कर्मचारियों द्वारा आगे आगे चलकर बढ़ाया गया।

जिला अस्पताल में इलाज की बजाय परिजनों को धमका रहे डॉ मोटवानी
पीड़ित परिवार ने की सिविल सर्जन से शिकायत, भीम आर्मी ने दी आंदोलन की चेतावनी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर, गर्भवती महिलाओं के रैफर करने के मामले में चर्चित जिला अस्पताल अब नवजात बच्चों को गंभीर बताकर रैफर करने को लेकर सुर्खियों में है और नवजात गहन चिकित्सा इकाई के डॉक्टर मोटवानी अपनी मनमानी और गलती से बाज आने की बजाय बच्ची के परिजनों को धमकाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में परेशान पीड़ित परिवार ने सिविल सर्जन को लिखित शिकायत कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। गुरुवार को ग्राम झोंकर निवासी नजमा बी पति शेरू खान परिवार के साथ सिविल सर्जन एमके जोशी के समक्ष पहुंची और शिकायती आवेदन देकर बताया कि 23 जुलाई 2024 को में उन्होने अपनी बहू नीलो पति फरदीन को प्रसव हेतु जिला अस्पताल शाजापुर में भर्ती कराया

था, जहां बहू को लडक़ी का जन्म हुआ। लडक़ी का स्वास्थ्य खराब होने पर आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया इसके बाद जिला अस्पताल के डॉक्टर भावेश मोटवानी ने 24 जुलाई को आकर कहा कि तुम्हारे बच्चे की तबीयत खराब है, इसे प्राइवेट अस्पताल लेकर जाओ या फिर इंदौर ले जाओ, जिसकी शिकायत 24 जुलाई 2024 को जिला अस्पताल के जिम्मेदार अधिकारयों से मौखिक रूप से की गई। नजमा बी ने बताया कि इसके बाद बच्ची को इलाज हेतु अस्पताल के आईसीयू वार्ड में ही रखा गया, लेकिन 25 जुलाई गुरुवार को डॉक्टर भावेश मोटवानी के द्वारा आकर धमकी दी जा रही है कि तुमने मेरी शिकायत की है अब मैं तुम्हारे खिलाफ कोर्ट में कैसे करूंगा और मेरा आधार कार्ड की फोटो कॉपी जमा करवा ली और कहा कि तुम्हारे बच्चे का यहां इलाज नहीं करूंगा इसे प्राइवेट अस्पताल लेकर जाओ। साथ ही परिजनों ने आवेदन में बताया कि डॉक्टर भावेश मोटवानी मेरे द्वारा की गई मौखिक शिकायत से नाराज हैं जिससे अंदेशा है कि वह बच्ची के इलाज में लापरवाही बरत सकते हैं, यदि इलाज के दौरान मेरी बच्ची को कुछ हुआ तो उसके जिम्मेदार डॉक्टर मोटवानी होंगे। मामले में डॉक्टर मोटवानी के खिलाफ कार्रवाई की जाने और बच्ची का शाजापुर अस्पताल में ही इलाज किए जाने की मांग की गई है।

भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी ने दी आंदोलन की चेतावनी
-जिला अस्पताल में सर्व सुविधा होने के बावजूद डॉ भावेश मोटवानी के द्वारा नवजात बच्चों को रैफर के नाम पर प्रायवेट अस्पताल भेजा जा रहा है, जिसको लेकर ग्राम झोंकर निवासी नजमा बी के द्वारा शिकायत की गई है। शिकायत होने के बाद डॉ मोटवानी अपनी करतूत पर शर्मसार होने की बजाय परिजनों को कानूनी दाव पेंच का भय दिखाकर धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ भावेश के इस कारनामें पर भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी ने आंदोलन की चेतावनी दी है। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि पीड़िता को न्याय नही दिया गया तो चक्का जाम कर दिया जाएगा।

इनका कहना है
डॉ भावेश मोटवानी के खिलाफ लिखित शिकायत मिली है, जिसको लेकर कमेटी गठित कर जांच कराई जाएगी। जांच उपरांत दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करेंगे। -**डॉ एमके जोशी, सिविल सर्जन जिला अस्पताल शाजापुर**

कटनी जिले में भारी बारिश का कहर
ग्रामीण इलाके में राहत और बचाव कार्य जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले में लगातार बारिश के चलते बारिश का ऐसा कहर देखने को मिल रहा है की ग्रामीण इलाके में पानी घरों में घुस गया है और लोग अपनी छत में त्रिपाल लगा रहने को मजबूर है वही शहर के इलाकों में जलभराव की स्थित के चलाते लोग बारिश का मजा लेते सड़को पर बारे पानी में नौकायन करते हुए दिखाई दिए।

कटनी जिले में पिछले दो दिनों से रुक रुक हो रही बारिश के चलते कटनी शहर ही नहीं ग्रामीण इलाको में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई है जिले के

ढीमरखेड़ा के काई ग्राम इलाके के घरों में पानी घुस गया और लोग अपनी आपनी छत पर त्रिपाल बना कर रहने को मजबूर है वही मौके पर एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार बचाव व राहत कार्य में जुटी हुई है, वही कटनी शहर की बात की जाए तो शहर के समदड़िया कॉलोनी की सड़कों पर भरे हुए पानी में लोग नौकायन करते हुए बारिश का लुफ्त उठाते हुए दिखाई दिए।

जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का होगा आयोजन
27 जुलाई को करि जाएगी प्रतियोगिता

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ
शाजापुर। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग जिला डीएटीसीसी और स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कल 27 जुलाई 2024 को कोटिल्य एकेडमी एबी रोड शाजापुर में जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें जिले से कक्षा 9वीं से 12वीं तक संचालित शासकीय और अशासकीय विद्यालयों से कुल 150 टीमें सहभागिता करेंगी। कार्यक्रम नोडल अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विवेक दुबे ने बताया कि उक्त क्विज प्रतियोगिता के लिए प्रात: 8.30 बजे से 9.30 बजे तक पंजीयन कार्य होगा। तत्पश्चात 10 बजे से 12 बजे तक लिखित परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली 6 टीमें मल्टीमीडिया राउंड में सहभागिता करेंगी जहां जिला क्विज मॉस्टर द्वारा रोचक तरीके से 10 राउंड में प्रदेश के पर्यटन, रोमांच, ऐतिहासिक धरोहरों, संस्कृति आदि पर आधारित ऑडियो और वीडियो राउंड होंगे। अंत में विजेता टीम राज्य स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी तथा सभी 6 टीमों को मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा जिले के आसपास 500 किलो मीटर के दायरे में स्थित पर्यटन स्थलों की सैर निःशुल्क करवाई जाएगी। क्विज प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में पर्यटन के प्रति रुचि जागृत करना और पर्यटन संवर्धन के लिए सजग रहना है। दुबे ने बताया कि सभी विद्यालय प्रतियोगिता के लिए पूर्व से तैयारी प्रारंभ कर देते हैं तथा यह एकमात्र ऐसी क्विज प्रतियोगिता है जिसमें विद्यार्थी और शिक्षक दोनों का उत्साह होता है।

लालबर्रा में डम्फर चालक और मालिक पर हमला
पुलिस महानिरीक्षक व कलेक्टर को शिकायत देकर दोषियों पर कार्यवाही करने लगाई गुहार

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, पीडित डम्फर चालक सुरेश डहरवाल निवासी ग्राम पिण्डरई थाना कुरई सहित अन्य ने गुरूवार को पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन कार्यालय व कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि 11 जुलाई 2024 की रात करीब 10-11 मेरे एवं मेरे मालिक शिवमंगल सोनी एवं अन्य लोगों के साथ आसू गुनाराम बघेले, पूजा नगपुरे एवं योगेश सहित अन्य लोगों के द्वारा मारपीट कर पैसे छीने गये है। जिसकी थाना में शिकायत करने के बाद भी अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई

है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक संरक्षण के चलते आरोपियों पर कार्यवाही न होने और शिकायत पर पुलिस के द्वारा जांच न करने को लेकर आज आईजी व कलेक्टर को शिकायत देकर इस मामले की जांच कर दोषियों पर दंडात्मक कार्यवाही किये जाने की गुहार लगाई है। पीड़ितों ने शिकायत की है कि राजनीतिक संरक्षण का फायदा उठाकर ये लोग शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहे है और बलात्कार व छेड़छाड़ करने की हमारे खिलाफ झूठी शिकायत की गई है। स्थानीय विधायक गौरव पारधी के दबाव में पुलिस आसू बघेले और पूजा नगपूरे का नाम एफ.आई.आर मे नही दर्ज कर रही है। जबकि उक्त मामले में ये लोग शामिल थे एफ.आई.आर के बाद भी आज तक इन्हें नहीं पकड़ा गया है जिससे आशंका है कि ये लोग हमें नुकसान पहुंचा सकते है व दूसरे झूठे मामलों में फंसा सकते है।

देवबंद के दून वैली पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर सीए परीक्षा में सफल होने वाले विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया गया
इस अवसर पर सीए की परीक्षा में सफलता पाने वाले पूर्व छात्र-छात्राओं राघव गर्ग, शताक्षी दीक्षित, रुबल गुप्ता, रेशुका तथा हेतिका को पुष्प गुच्छ प्रदान कर तिलक लगाकर स्वागत किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर ।
देवबंद, देवबंद नगर के प्रतिष्ठित दून वैली पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम आयोजित कर सीए परीक्षा में सफल होने वाले विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं का अभिनंदन किया गया। कालेज सभागार में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन राजकिशार गुप्ता, मैनेजर सुमन सिंघल और प्रधानाचार्या सीमा शर्मा ने किया। इस अवसर पर सीए की परीक्षा में

सफलता पाने वाले पूर्व छात्र-छात्राओं राघव गर्ग, शताक्षी दीक्षित, रुबल गुप्ता, रेशुका तथा हेतिका को पुष्प गुच्छ प्रदान कर उनका तिलक लगाकर स्वागत किया गया। पूर्व छात्रों ने स्कूल में बिताए लम्हों को सभी से साझा किया और अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया। उन्होंने वर्तमान में स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों से लक्ष्य साध उसे कड़ी मेहनत से हासिल कर भविष्य निर्माण करने का आह्वान किया। संचालन कक्षा 11 की छात्राओं जिया व गौरी ने किया।

खनियाधाना पुलिस ने जुआरियों पर की छापामार कार्यवाही
10950 रुपये व ताश की गड्डी बरामद

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा जुआरियो के विरूध्द सख्त कार्यवाही करने के निर्देश मिलते ही खनियाधाना पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि गल्ला मण्डी के सामने कुछ व्यक्ति लाईट के उजाले मे ताश पत्तों से हारजीत का दाव लगा रहे हैं जिस पर खनियाधाना पुलिस ने सूचना पर दविश देकर आरोपी रानू जैन निवासी बडा जैन मंदिर के पास खनियाधाना के सामने फड से उसके 6 अन्य साथियों सहित पकड़कर उनके कब्जे से 10950 रुपए नगद और ताश की गड्डी बरामद कर सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की गई

लालबर्रा क्षेत्र के युवकों के साथ खिलवाड़...नए आईटीआई में लालबर्रा शामिल नहीं
पूर्व मंत्री गौरी भाऊ के दावे खोखले साबित हो रहे है : कांग्रेस नेता मनोहर अग्रवाल

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोहर मन्नू अग्रवाल ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जिले में नवीन आईटीआई की स्थापना की जा रही है जिसमें परसवाड़ा विधानसभा के तीन ग्राम क्रमश: चांगुटोला ,लामता एवं हट्टा शामिल किया जा रहा है और बालाघाट विधानसभा के लालबर्रा क्षेत्र की अनदेखी की जा रही है ,जिससे पूर्व मंत्री व पुर्व विधायक गौरी भाऊ के द्वारा की गई घोषणा खोखली साबित हो रही है। उक्ताश्य के आरोप लगाते हुए श्री अग्रवाल ने कहा कि कल दिनांक 24 .7. 24 को उप

संचालक कौशल विकास केंद्र मध्यप्रदेश द्वारा जारी पत्र क्रमांक 3475 द्वारा संयुक्त संचालक बालाघाट,क्षेत्रीय कार्यालय कौशल विकास,औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बालाघाट को प्रेषित पत्र में कहा गया है कि बालाघाट जिले में तीन नवीन आईटीआई की स्थापना हेतु आवश्यक जानकारी तत्काल आज ही मेल द्वारा उपलब्ध कराई जाएश्री अग्रवाल ने कहा कि उपयुक्त पत्र से साबित हो गया कि पूर्व मंत्री श्री गौरी भाऊ द्वारा लालबर्रा में आईटीआई खोलने हेतु विगत कई वर्षों से लगातार घोषणा की जा रही थी किंतु उनकी सरकार होने के बाद भी लालबर्रा क्षेत्र के युवकों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है जो घोर निंदनीय है श्री अग्रवाल ने कहा कि क्षेत्रीय कौशल विकास औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कार्यालय बालाघाट का एक और

कारनामा उजागर हुआ है ,यहां पदस्थ संयुक्त संचालक तीन जिलों का प्रभार संभाल रहे हैं वे भोपाल में पदस्थ है और जबलपुर एवं बालाघाट जिले का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं ,अर्थात एक ही अधिकारी के भरोसे तीन जिलों का प्रभार,तो क्या कर रही है मध्य प्रदेश सरकारश्री अग्रवाल ने यह भी मांग की कि बालाघाट जिले की आईटीआई सहित जबलपुर जिले और भोपाल जिले की प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालना बहुत मुश्किल कार्य है, इसलिए बालाघाट में तत्काल संयुक्त संचालक की नियुक्ति की जाए।

कटनी के जुहली गाँव में कुएं में जहरीली गैस का रिसाव
चार लोग बेहोश, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के ह्यच्छ थाना अंतर्गत जुहली गाँव के नादन हार में जुहली निवासी संजय दुबे के खेत मे गहरा कुआं खुदा हुआ है जिसमे संजय के भाई रामकुमार दुबे, निखिल दुबे कुँए में सबमर्शियल डालने अंदर उतरे इसी दौरान जहरीली गैस का रिसाव होने से दोनों कुँए में ही बेहोश हो गए। जिसके बाद देवेंद्र कुशवाहा कुँए मे उतरा वह भी बेहोश हो गया फिर पिंटु कुशवाहा कुँए उतरा वह भी कुंए में ही बेहोश हो गया। चारो ही कुएं में मुर्चित अवस्था में कुएं के अंदर ही पड़े रहे। वही मौके पर पहुंचे कलेक्टर कटनी और एसपी अभिजीत रंजन ने अपने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच उमरिया जिले से रेस्कयू टीम कोल माइंस से बुलावा चारो का रेस्क्यू कर बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। कुएं में जहरीली गैस के रिसाव की वजह से जुहली में 4 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि तो शव बाहर आ जाने के बाद ही होगी, किन्तु ये माना जा रहा है कि पिछले 5

से 6 घाटे हो चुके है शायद कुएं में उतरे चारों में से कोई भी जीवित नही है। इस बीच शव निकालने में हाई रिस्क की वजह से अब तक सफलता नही मिली है, लिहाजा उमरिया से माइंस की एक्सपर्ट टीम मौके पर पहुंच चारो को कुएं से बाहर निकालने के लिए आर रेस्क्यू किया जा रहा है, मुड़वारा विधायक सन्दीप जायसवाल शाम से लगातार मौके पर डटे रहे। वही मौके पर पहुंचे कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि उमरिया से आई टीम जब चारों लोगों को बाहर निकालेगी तभी मौतों की पुष्टि की जा सकेगी। वही मौके पर पहुंचने के लिए जिला प्रशासन को ट्रैक्टर का सहारा लेना पड़ रहा है।

खनियाधाना पुलिस ने शराब बनाने की फैक्ट्री पे दी दबिश
पकड़ी करीब 2 लाख रुपये की शराब व बनाने की मशीन

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ द्वारा अवैध शराव की विक्री के विरूध्द कार्यवाही करने के निर्देश पर खनियाधाना पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मुहारी मे कंजर डेरा मे कंजर लोग अवैध रुप से शराब उतार रहे हैं तथा भारी मात्रा मे अवैध रुप से शराब बिक्री करने के लिये रखे हुये हैं सूचना पर बीती रात खनियाधाना पुलिस ने कंजर डेरा पर दबिश देकर आरोपी रामनिवास कंजर के कब्जे से 12 प्लास्टिक के ड्रम जिनमे करीबन 2400 लीटर लहान जिसकी कीमत करीबन 1,50,000 रुपये भरा था जिसे मौके पर नष्ट किया गया साथ ही कच्ची शराब बनाने की लौहे की भट्टी और 100 लीटर हाथ भट्टी की बनी 50 हजार रुपये कीमत की कच्ची शराब को जप्त किया गया वहीं आरोपी के विरुद्ध पुलिस ने आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया।

शिवपुरी जिले में नवविवाहिता से बलात्कार
आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में एफआईआर की मांग, प्रदर्शन की चेतावनी

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ
शिवपुरी, शिवपुरी जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र में शादी के बाद पहली बार मायके आई 20 वर्षीय नव-विवाहिता के साथ गांव के रहने वाले एक युवक ने रेप किया है। पीड़िता ने इसकी शिकायत रन्नौद थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ की धाराओं में मामला दर्ज किया है। इसके बाद नाराज पीड़िता के परिवारजन और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता एसपी ऑफिस पहुंचे। जहां उन्होंने आरोपी के खिलाफ रेप की धाराओं में मामला दर्ज करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार नवविवाहिता ने बताया की शादी के पहले से ही सलमान खान निवासी रन्नौद मुझे और मेरे परिवार के लोगों को मारने की धमकी देता था और ब्लैकमेल करता था. 4 जुलाई को सलमान ने मेरे साथ बलात्कार किया. इसके बाद 9 जुलाई को मेरी शादी हो गई थी. जिसके बाद 17 जुलाई को सुबह 10 बजे मैं हेडपम्प पर पानी भरने गई थी. तभी सलमान मुझे ब्लैकमेल करके पास में बनी बाखर में जबरदस्ती खींचकर ले गया और मेरे साथ बलात्कार किया. इसके बाद पुलिस ने छेड़छाड़ की रिपोर्ट दर्ज की. वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के विभाग मंत्री नरेश ओझा ने बताया कि अगर युवती को न्याय नहीं मिलता है और कल तक रेप की धाराओं में एफआईआर दर्ज नहीं होती है तो रन्नौद थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेंगे।

राजस्व महा अभियान अंतर्गत शिविरों का आयोजन आज से

अभियान अंतर्गत राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, इत्यादि कार्यों का प्राथमिकता से संपादन किया जाएगा।

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। राजस्व महा अभियान 2.0 अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ऋजु बाफना द्वारा 26 जुलाई को शुजालपुर क्षेत्र के ग्रामों का भ्रमण कर की जा रही कार्रवाई का निरीक्षण किया जाएगा। भू-अभिलेख अधीक्षक ने बताया कि कलेक्टर द्वारा 26 जुलाई को राजस्व अभियान अंतर्गत जिले के अनुभाग शुजालपुर की तहसील शुजालपुर के पटवारी हल्का पंचदेहरिया एवं खेजड़िया, तहसील कालापीपल के पटवारी हल्का तिलावद मैना, रनायल, तहसील पोलायकलां के पटवारी हल्का खड़ी, मोरटा केवड़ी, तहसील अवन्तिपुर बड़ोदिया के पटवारी हल्का पगरावदकला, अवंतिपुर बड़ोदिया में शिविर आयोजित होंगे तथा इन ग्रामों में ग्रामीणों से राजस्व विभाग संबंधी विभिन्न आवेदन प्राप्त किए जाएंगे एवं यथा संभव मौके पर निराकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 16 जुलाई से 31 अगस्त 2024 तक राजस्व महाअभियान 2.0 चलाया जा रहा है। अभियान अंतर्गत राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्ती, पीएम किसान सेचुरेशन, समग्र से खसरें को लिंक किया जाना, फार्मर रजिस्ट्री इत्यादि कार्यों का प्राथमिकता से संपादन किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध घायल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध घायल हो गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नवाब भनेरिया निवासी ग्राम कड़िया को अज्ञात वाहन ने पचोर रोड पर टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल को उपचार हेतु नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे शाजापुर जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया। घायल का शाजापुर में इलाज जारी है।

विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया पौधा रोपण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को लेकर विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा शहर के सबसे बड़े कब्रिस्तान में पौधा रोपण किया गया। गुरुवार को विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा डांसीपुरा कब्रिस्तान में पौधा रोपण कर मौजूद मुस्लिम समाजजनों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान जामुन, पीपल, गुलर, आम, इमली, गुलमोहर सहित अन्य करीब 50 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर जिला जज सिराज अली, एडव्होकेट अनीसउद्दीन, एडव्होकेट एजाजउद्दीन, एडवोकेट इंदर गामी, हाशिम खान, सरदार मूसा खान, पूर्व पार्षद राजेश पारछे, शेर खान, आला पटेल, इब्राहिम अब्बासी, रफीक मंसूरी, साबिर बाबा, कलीम लाईनमैन, रेहान खान मेडिकल आदि उपस्थित थे।

ITI के सामने सरकारी जमीन पर स्थापित हुई दक्ष प्रजापति की प्रतिमा

प्रतिमा की पूजा कर माला पहनाई

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी जिले के पिछोर के सरकारी ढ्ढअ्ढ कॉलेज के सामने सरकारी जमीन पर रातोंरात दक्ष प्रजापति की प्रतिमा स्थापित कर दी गई जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के पिछोर तहसील के सरकारी आईटीआई कॉलेज के सामने सरकारी जमीन पर दक्ष प्रजापति की प्रतिमा स्थापित की गई है. सुबह जैसे ही स्थानीय लोगों को प्रतिमा का पता चला तो काफी संख्या में भीड़ लगना शुरू हो गई. इसके बाद लोगों ने प्रतिमा को माला पहनाई और उसकी पूजा अर्चना की. प्रशासन को इस बात की जानकारी दे दी गई है. हालांकि अभी प्रशासन मौके पर नहीं पहुंचा है. रातोंरात प्रतिमा किसने रखी इसका भी पता नहीं चल सका है।

फांसी में झूलता मिला नव विवाहिता का शव, पुलिस ने शुरू करि जांच

शहडोल, ब्यौहारी थाना क्षेत्र के पुरैना गांव में घर में फांसी में झूलता हुआ नव विवाहिता का संदिग्ध अवस्था में शव मिला है। नव विवाहित घर में अकेली ही रहती थी, पति महाराष्ट्र में मजदूरी करता था,जिसका शव गुरुवार को घर में फंसी में लटका मिला । थाना प्रभारी अरुण पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि संध्या पटेल पति मनीष पटेल उम्र 28 वर्ष निवासी पुरैना का शव फांसी में लटकता देख लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार संध्या के पति महाराष्ट्र में मजदूरी करता है और वह काफी समय से वही है। महिला घर में अकेली रहती थी कल शाम 7 बजे महिला को पड़ोसियों ने लास्ट टाइम देखा था, गुरूवार को सुबह जब महिला के घर का दरवाज़ा काफी देर नहीं खुला तो पड़ोस में रहने वाली उसकी एक महिला रिश्तेदार उसके घर पहुंची ,काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी जब संध्या ने दरवाजा नहीं खोला तो खिड़की से महिला रिश्तेदार ने देखा तो संध्या का शव फांसी में लटका था, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, मामले में मृतिका के नवविवाहित होने की वजह से थाना प्रभारी तहसीलदार के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस टीम ने पंचनामा तैयार कर मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

मक्सी पुलिस ने पकड़े चोरी के दो आरोपी

34 हजार रुपये की मशरूका बरामद

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, मक्सी पुलिस ने चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके कब्जे से मशरूका भी बरामद की गई है। थाना प्रभारी मक्सी भीमसिंह पटेल ने बताया कि दिनांक 01-02 मई 2024 की मध्यरात्रि को ग्राम सूरजपुर के सोलर प्लांट से बैटरी, पानी की मोटर, कैबल एवं लोहे की राड़ आदि चोरी हो गई थी, जिसको लेकर पतारसी की जा रही थी। पड़ताल के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो व्यक्ति सूरजपुर सोलर प्लांट से चोरी गया सामान बेचने ग्राम झोंकर आए हैं, जिन्हे पालनाखेड़ी जोड़ पर घेराबन्दी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोयिों ने अपना नाम दिनेश पिता हिन्दुसिंह गुर्जर उम्र 42 साल, ईश्वर पिता रुगनाथसिंह गुर्जर उम्र 42 साल निवासी ग्राम हनोती का होना बताया। आरोपियों के कब्जे से चोरी गया मशरूका 280 फीट केबल तार, 05 लोहे की रॉड तथा 01 पानी की मोटर कुल कीमत 34000 रुपये बरामद किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी भीमसिंह पटेल, उनि सुरजभानसिंह ढिल्लन, सउनि संजय सवनेर, प्रआर 656 राहुल पटेल, प्रआर 94 विरेन्द्र शर्मा, प्रआर 116 रशीद कुरैशी, प्रआर 167 नीलेश जामलिया, आरक्षक 62 अरुण सितपरा, आरक्षक 154 दीपक यादव, आरक्षक 395 नवीन यादव की सराहनीय भूमिका रही।

सेना के लिए तकनीक विकसित करेगा मेपकास्ट

नेवी के रियर एडमिरल इकबाल सिंह ग्रेवाल ने मेपकास्ट के कार्यों की सराहना की

दीपक राय । सिटी चीफ भोपाल, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थापित मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) बड़ा परचम फहराने के लिए तैयार है। मेपकास्ट एक नया कीर्तिमान रचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यहां पर डिफेन्स इनोवेशन एंड डेवलपमेंट विंग की स्थापना होगी। मेपकास्ट में नौसेना के लिए तकनीकी विकसित की जाएगी। रक्षा नवाचारों को प्रोत्साहन और उद्योगों एवं सेना के बीच सामंजस्य बढ़ाने के लिए सेना के वरिष्ठ अधिकारी और टीम ने मेपकास्ट में विजिट किया। गुरुवार को नौसेना (नेवी) के रियर एडमिरल इकबाल सिंह ग्रेवाल एवं उनकी टीम मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) पहुंची। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य मेपकास्ट के माध्यम से डिफेन्स इनोवेशन एंड डेवलपमेंट विंग की स्थापना है। मेपकास्ट के अधिकारियों विंग की स्थापना के लिए पूरा प्लान बताया। मेपकास्ट के वैज्ञानिकों, सलाहकारों एवं नौसेना के अधिकारियों के बीच बैठक के दौरान संयुक्त रूप से किये जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा हुई।

स्वदेशी अनुसंधान, विकास को मिलेगा बढ़ावा : डॉ. अनिल कोठारी

मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि मेपकास्ट में बनने वाली डिफेन्स इनोवेशन एंड डेवलपमेंट विंग से रक्षा नवाचारों को प्रोत्साहन मिलेगा और उद्योगों एवं सेना के बीच सामंजस्य बढेगा। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान विनिमय को सुविधाजनक बनाते हुए आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने में सहायता मिलेगी। कोठारी ने कहा कि इससे रोजगार सृजन और प्रतिभा विकास की संभावनाओं को बल मिलेगा।

सेना के साथ खुल चुका इन्क्यूबेशन सेंटर- गौरतलब है कि मेपकास्ट द्वारा राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सेना के साथ एक इन्क्यूबेशन सेंटर भी खोला जा चुका है। वहीं, गुरुवार को नौसेना के अधिकारियों ने परिषद की जी आई एस लैब का भी भ्रमण किया।

ऐसी होगी डिफेन्स इनोवेशन एंड डेवलपमेंट विंग

— ए आई, मशीन लर्निंग लैब
— सॉफ्टवेर आधारित तकनीकी
— रोबोटिक्स
— हाई एलटीटयूड ड्रोन
— स्टार्ट अप एवं इन्क्यूबेशन
— डाटा सिक्यूरिटी
— रिमोट सेंसिंग एंड जी आई एस
— रिसर्च एंड डेवलपमेंट लैब
— टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम
— इंडस्ट्री इंगेजमेंट प्रोग्राम
— कोलेबोरेशन प्रोग्राम

सहारनपुर मंडल के सांसदों ने पश्चिम की रेल सुविधाओं का मुद्दा लोकसभा में उठाया

इकरा हसन ने वैष्णव देवी और प्रयागराज तक रेल चलाने की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, आजादी के बाद से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहर मुजफ्फरनगर, शामली को पर्याप्त सुविधाएं प्राप्त नहीं हुई है। इस उपेक्षा को मुद्दा बनाकर सहारनपुर मंडल की कैराना की युवा इकरा हसन ने आज लोकसभा में लोक महत्व के अविलंबनीय मुद्दे के तहत कहा कि शामली से वैष्णव देवी को ट्रेनें चलाई जाएं। उनके लोकसभा क्षेत्र के हिंदु धर्मावलंबियों के लिए शामली आदि स्टेशनों से वैष्णव देवी के लिए कोई ट्रेन नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज जहां हाईकोर्ट है और संगम तीर्थ स्थल है वहां आने-जाने के लिए भी शामली से कोई ट्रेन नहीं है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के जरिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मांग की कि यहां से ये प्रमुख ट्रेनें चलाई जाएं और सहारनपुर-दिल्ली रेलवे मार्ग पर जंधेड़ी और रामपुर मनिहारान फाटकों पर ऊपरीगामी पुल बनाए जाएं। ध्यान रहे 27 वर्षीय इकरा हसन पहली बार लोकसभा की सदस्य चुनी गई हैं। आज उन्होंने लोक महत्व के सवालों को प्रभावशाली ढंग से सदन में रखा। इसी तरह सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ सपा नेता और लोकसभा के लिए पहली बार चुने गए हरेंद्र मलिक ने रेल मंत्री से मांग की कि रैपिड़ रेल को मुजफ्फरनगर तक बढ़ाया जाए। अभी यह ट्रेन मेरठ तक है। हरेंद्र मलिक ने मुजफ्फरनगर में उद्योग धंधों द्वारा भूजल को प्रदूषित किए जाने की समस्या का ध्यान सरकार की ओर दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण विभाग आंख भींचे हुए हैं और प्रदूषित पानी से कैंसर जैसी घातक बीमारी फैल रही है, फेफड़े खराब हो रहे हैं, आंखों की रोशनी जा रही है। सरकार तत्काल प्रभाव से इस ओर ध्यान दे। पहली बार सांसद चुने गए इमरान मसूद ने सहारनपुर में रेल सुविधाएं बढ़ाने संबंधी कई लोक महत्व के मुद्दे उठाए। रालोद सांसद चंदन चौहान ने भी अपने संसदीय क्षेत्र बिजनौर में रेल सुविधाएं बढ़ाने की मांग की।

उज्जैन में युवक की गला रेतकर हत्या

पुराने विवाद में दो आरोपियों ने घटना को दिया अंजाम

उज्जैन, उज्जैन के चिमनगंज मंडी में सेंट पॉल स्कूल के सामने गुरुवार शाम युवक की हत्या कर दी गई। दो आरोपियों ने चाकू से गला रेत दिया। फेब्रिकेशन का काम करने वाला अभय सेन (22) शहर के ढांचा भवन का रहने वाला था। गुरुवार शाम वह सेंट पॉल स्कूल के पास बैठा था, तभी इसी क्षेत्र में रहने वाले विक्की ठाकुर और इरफान उसके पास पहुंचे और विवाद करने लगे। हत्या की सुचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। पता चला कि अभय का आरोपियों से पुराना विवाद था। इसी चलते हत्या की घटना को अंजाम दिया गया।

डॉक्टर विपिन पटेल का साइन बोर्ड लगाकर चल रहा है इलाज

साई अस्पताल एवं वनर्जी होमोपैथी क्लीनिक का किया गया निरीक्षण

शहडोल, संभाग के कोने कोने में फर्जी दवाखाना का जाल बिछा हुआ है इसमें असली काम फर्जी ज्यादा है जिसका जायजा लेने कमिश्नर शहडोल संभाग बी.एस जामोद एवं कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. लाल के निर्देश पहुंच रहे है जहा अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों, पैथालॉजी, अस्पतालों एवं झोलाछाप चिकित्सों के विरुद्ध सतत कार्यवाही की जा रही हैं इसी तरताम्य में गत बुधवार को जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा एवं डॉ. एस.डी. कवर तथा मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी बुढ़ार डॉ. आर. के. वर्मा एवं रूजोपचार टीम द्वारा अमलाई के श्रीवास्तव चौक में स्थित साई अस्पताल एवं वनर्जी होमोपैथी क्लीनिक की जाँच की तथा जाँच में पाया कि अस्पताल में फायर सेफ ?टी अलार्म नहीं था साथ ही फायर सेफ ?टी सिलेन्डर में अवसान तिथि अंकित नहीं थी अन्य व्यवस्था सही थी इस तरह वनर्जी होमोपैथी क्लीनिक में रजिस्ट्रेशन सहित अन्य व्यवस्थायें सही थी। लेकिन इनको जाने कैसे विपिन पटेल डॉक्टर का साइनबोर्ड नहीं दिखाई दिया जिसमे साफ लिखा हुआ है की मेडिकल कालेज के डॉक्टर सुबह 10 से 04 मिलेंगे अब हर कोई इतना जागरूक नहीं की हर सफ़ेद कोट को भगवान् न माने लेकिन जाँच टीम ने अनऑफिसयलि इस अस्पताल को छूट दे ही दी है जाने यहाँ कितने मरीजों का सही इलाज होगा या कितने मरीज परलोक सिधार जायेगे।

आखिरकार 05 चोरियो का हुआ पर्दाफाश

मसरूका समेत शातिर चोर गिरफ्तार

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ जिस तरीके से शहडोल की पुलिस ने तात्पर्यता दिखते हुए चोरी की वारदात को अंजाम देने वालो को धरदबोचा है उससे शहडोल जिले के नागरिको को ऐसे थाना प्रभारी से उम्मीद जाग रही है के शहडोल के पांडव नगर और कल्याणपुर में बंधक बनाकर चोरी की घटना को अंजाम देने वालो को भी उनकी सही जगह सलखो के पीछे धकेला जाये, क्योकि शहडोल में महेंद्र प्यासी जैसे लोगो ने चोरो बदमाशों की तीमारदारी शुरू कर दी है हाल ही में छेड़छाड़ का आरोपी से राजेंद्र टाकीज़ की गली में मेल मुलाकात बता रही थी की आरोपी को मनमुताबिक समय दिया जायगा और फरियादी दफ्तर दफ्तर चक्कर काटेगी.... शहडोल 7 ब्योहारी, थाना प्रभारी अरुण पाण्डेय द्वारा आज 05 चोरियो का खुलासा करते हुए शातिर अपराधी सुमित सेन उर्फ़ गोलू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। ब्योहारी पुलिस द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि अपराध क्र. 473/24 धारा 331,305(ड्ड) बीएनएस के फरियादी चिराग चंचलानी पिता शिवदास उम्र 17 वर्ष निवासी बनसुकली चौराहा ब्योहारी के व्दारा दिनाक 23.07.24 को सूचना दी गई की उसका परिवार घर से बाहर तीर्थ यात्रा पर चला गया था इसी बीच किसी अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर का ताला तोड़कर घर मे घुसकर दिनाक 19.07.24 से 21.07.24 के मध्य चोरी कर ली गई है रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर आरोपी सुमित सेन को के कब्जे से चोरी गये मशरुका मे से 01 सोने की लाकेट, 02 नग सोने की गुरिया, 01 जोड़ी घुघरुवाली चांदी का पायल, एक लकड़ी की बनी गुलक जिसके अन्दर पाँच एव दस रुपये का सिक्का रखा हुआ कीमती 930 रुपये, पान मसाला, सिगरेट आदि कुल कीमती 80000 रुपये की सामग्री बरामद की गई है ।अप. क्र. 338/24 धारा 454,380 ता.हि. की कायमी प्रार्थी अभय चतुर्वेदी पिता मनोज चतुर्वेदी निवासी वार्ड क्र. 05 ब्यौहारी की रिपोर्ट पर से दिनांक 29.05.2024 को अज्ञात आरोपी के व्दारा उसके घर मे घुसकर चोरी की गई है अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई । चोरी गये मशरुका मे उक्त आरोपी के कब्जे से जेवरात एव घरेलू बर्तन कीमती करीबन 10000 रुपये की सामग्री बरामद की गई है । अपराध क्र. 309/24 धारा 457,380 ता.हि. की कायमी प्रार्थी राजेन्द्र सिंह बैस पिता भागवत प्रसाद बैस उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम सूखा की रिपोर्ट पर की उसके घर मे दिनाक 19.05.24 की रात्रि मे किसी अज्ञात व्यक्ति व्दारा ताला तोडकर घुसकर एक मोबाईल एव नगदी रकम चोरी की गई है कायमी की गई थी । अज्ञात आरोपी की पता रसी कर उक्त आरोपी सुमित सेन के कब्जे चोरी की गई नगदी रकम बरामद किया गया है। अपराध क्र. 275/24 धारा 457,380 ता.हि. की कायमी प्रार्थी दसई पाल पिता पितरा पाल उम्र 70 वर्ष निवासी ग्राम सूखा की अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर मे ताला तोड़कर दिनाक 05.05.24 की रात्रि मे घुसकर चोरी की गई है रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दिनांक 06.05.2024 को अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई । चोरी गई मशरूका मे से गिरफ्तार उक्त आरोपी के कब्जे से जेवरात, घरेलू बर्तन एव 06 नग साड़ी कुल कीमती करीब 10000 रुपये का मशरुका बरामद किया गया है । अपराध क्र. 165/24 धारा 457,380 ता.हि. की कायमी प्रार्थी अंकित गुप्ता पिता प्रदीप गुप्ता उम्र 28 वर्ष निवासी वार्ड क्र. 08 ब्यौहारी की रिपोर्ट पर से अज्ञात व्यक्ति व्दारा घर मे घुसकर घरेलू खाने पीने का समान चोरी किया गया है फरियादी की रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना की गई विवेचना के आधार पर उक्त आरोपी के मेमोरण्डम से चोरी किया गया घरेलू खाने पीने का समान कीमती करीबन 5000 रुपये का जप्त किया गया है । प्रकरण मे अन्य साथी आरोपी की तलास जारी है । पूछताछ एव थाना रिकार्ड के अवलोकन पर आरोपी को पूर्व मे भी नकबजनी के प्रकरण मे बंद होना पाया गया है । थाना ब्योहारी व्दारा उक्त आरोपी के कब्जे से एक लाख से अधिक का सोने चांदी के जेवर, बर्तन, घरेलू खाने का समान, साडीं आदि जप्त करने मे सफलता प्राप्त हुई है । उक्त कार्यवाही श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय शहडोल के निर्देशन मे थाना ब्यौहारी पुलिस व्दारा की गई है जिसमे थाना प्रभारी ब्यौहारी निरी. अरुण पाण्डेय, उपनिरी. मोहन पड़वार, उपनिरी. विजेन्द्र मिश्रा, प्र.आर. 127 रणबहादुर सिंह,प्र.आर. 764 नरेन्द्र उपाध्याय, आर. 214 अमृतलाल, आर. 762 गंगासागर गुप्ता की अहम भूमिका रही है ।

ट्रैक्टर-ट्राली ने स्कूटी सवार दंपति को लिया अपनी चपेट में

हादसे में स्कूटी सवार महिला की हुई मौत, पति घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, अपने पति के साथ स्टेट हाईवे-59 पर स्कूटी से जा रही महिला की सडक हादसे में मौत हो गई जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवालिक नगर थाना रानीपुर हरिद्वार निवासी राजकुमार अपनी पत्नी जगरोशन को साथ लेकर स्कूटी द्वारा देवबंद के सिविल कोर्ट में आए थे। वापस लौटते समय जैसे ही वह हाईवे पर पिलर नंबर 32 के निकट पहुंचे तो अचानक पीछे से आ रहे ट्रैक्टर-ट्राली ने उनकी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे स्कूटी सवार दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तुरंत देवबंद सीएचसी में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान 55 वर्षीय जगरोशन ने मौत हो गई। जबकि राजकुमार को गंभीर अवस्था में हायर केयर सेंटर रेफर कर दिया गया। पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में तहरीर मिलने के कार्रवाई की जाएगी।

झोलाछाप : यहां है बंगाली डॉक्टर का ऑपरेशन थिएटर

सीएमएचओ ने कहा होगी एफआईआर

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कमिश्नर एवं कलेक्टर के निर्देश के बाद स्वास्थ्य विभाग नींद से जगा और अवैध क्लीनिको, अस्पतालों एवं झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही कर रहा है। अमलाई में स्थित जीवन ज्योति अस्पताल जो बिना लाइसेंस के ही संचालित हो रहा था उसे सील किया गया है।जानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से लगातार झोलाछाप के साथ-साथ अवैध अस्पतालों पर भी कार्यवाही स्वास्थ्य विभाग कर रहा है। जीवन ज्योति अस्पताल जो की अमलाई में स्थित है, लाइसेंस निरस्त होने के बावजूद भी संचालित हो रहा था, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियो को इसकी जानकारी जब लगी जब स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मामले की शिकायत की,जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और अस्पताल में छापा मार कार्यवाही कर लाइसेंस की मांग की गई, जिसका लाइसेंस निरस्त था और अस्पताल संचालित हो रहा था जहां मरीज भी भर्ती थे जिसके बाद सीएमएचओ की टीम ने

अस्पताल को सील कर दिया है। इस कार्यवाही को डी एच ओ डॉक्टर राजेश मिश्रा ने ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर बुढार के साथ की है।

यहां चल रहा अवैध अस्पताल के साथ ऑपरेशन थिएटर

झोलाछाप बंगाली डॉक्टर ने तो मेडिकल की आड़ में अस्पताल के साथ-साथ ऑपरेशन थिएटर तक संचालित कर रखा है। झींक बिजुरी के ग्रामीणों ने मामले की शिकायत ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर के साथ-साथ सीएमएचओ को भी की है लेकिन अभी भी स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही से यह झोलाछाप डॉक्टर अछूता है।झींक बिजुरी में पुलिस चौकी के समीप बंगाली डॉक्टर का अस्पताल संचालित है। यहां बिना किसी वैध लाइसेंस के ऑपरेशन थिएटर चलाया जा रहा है। कई बार इस अस्पताल की अवैध गतिविधियों की खबरें सामने आई हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा अब तक कोई कठोर कदम नहीं उठाया गया है।

एक नजर सोहागपुर गढ़ी पर .... सोहागपुर गढ़ी में झोला छाप डॉक्टरों की दुकानें चल रही हैं, जहां बिना किसी योग्यतापत्र के चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह न केवल मरीजों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है बल्कि कानून का भी उल्लंघन है।

उप स्वास्थ्य केंद्र के सामने ही डेरा.... छतवाई उप स्वास्थ्य केंद्र के सामने भी झोला छाप डॉक्टर अपनी दुकानें चला रहे हैं। इन डॉक्टरों के पास न तो आवश्यक प्रशिक्षण है और न ही उचित लाइसेंस, फिर भी वे मरीजों का उपचार कर रहे हैं।

बस स्टैंड के समीप फर्जी दवाखाना.... गोहापरू बस स्टैंड के समीप एक बंगाली डॉक्टर का अस्पताल संचालित हो रहा है। यह डॉक्टर बिना उचित योग्यता और लाइसेंस के अस्पताल भी चला रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय है। पूर्व में कई बार इस अस्पताल की अवैध गतिविधियों की खबरें प्रकाशित हो चुकी हैं।

प्रतिक्रिया .....

लगातार कार्यवाही की जा रही है, हमारे पास कार्यवाही करने वाले अधिकारियों की संख्या सीमित है।एक दिन में दो ही स्थान में कार्रवाई कर पा रहे हैं, ऑपरेशन थिएटर चलने वाले बंगाली झोलाछाप डॉक्टर के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाएगी टीम आज वहां पहुंचेगी। **डॉक्टर ऐके लाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, कुशाभाऊ ठाकरे शासकीय जिला अस्पताल शहडोल**

आईएमए ने डीआईजी सहारनपुर रेंज को

निःशुल्क शिव भक्तों की सेवा को सौंपा ज्ञापन

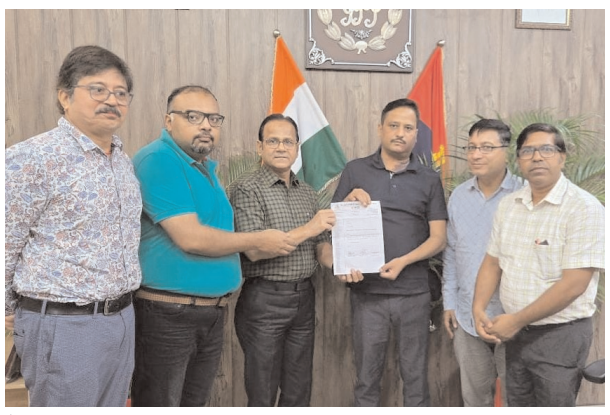

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, आगामी कांवड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक सहारनपुर रेंज अजय कुमार साहनी और आईएमए सहारनपुर के चिकित्सकों द्वारा एक गोष्ठी की गई।गोष्ठी में पुलिस और प्रशासन के सहयोग के लिए आईएमए सहारनपुर द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान निम्न सुविधाएं देने के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया- सभी उम्र के कांवड़ यात्रियों को निःशुल्क इमरजेंसी चिकित्सा परामर्श सभी चिक्तिसको के क्लिनिक और अस्पतालों में दिया जाएगा, आवश्यक जांचे निःशुल्क की जायेगी, प्राथमिक उपचार के बाद यदि हायर सेंटर रेफर करना हो तो उसकी व्यवस्था की जाएगी, दवाईयों की निःशुल्क व्यवस्था की जाएगी, कावंड़ यात्रा के दौरान शहर के निजी अस्पतालों में रोस्टर बनाकर कुछ बैड गंभीर मरीजों के लिए रिजर्व रखे जाएंगे, कांवड़ यात्रा में आईएमए की चिकित्सक टीम के कॉर्डिनेटर इस प्रकार से है- जिनकी सूचना पुलिस कावड़ कंट्रोल रूम के माध्यम से भी दी जा सकती है- डॉ कलीम अहमद (एम ड़ी फिजिशियन), डॉ सौम्य जैन (एम ड़ी ,फिजिशियन), डॉ प्रवीण शर्मा (एम ड़ी, फिफिजिशियन, डॉ राहुल सिंह (एम एस-हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ उत्कर्ष (एम डी-हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ महेश चंद्रा (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ रविन्द्र राणा (एम ड़ी-त्वचा रोग विशेषज्ञ), डॉ मोहन सिंह (एम एस- नाक कान गला रोग विशेषज्ञ), डॉ उदयराज (एम ड़ी -पैथोलॉजी), डॉ रेणु शर्मा (एम ड़ी- पैथोलॉजी), डॉ ममता पांडे (एम ड़ी- पैथोलॉजी) डॉ संदीप गर्ग (एम एस -सर्जन), डॉ अमित पाण्डे (एम एस-सर्जन), डॉ रविकान्त निरंकारी (एम ड़ी-बाल रोग विशेषज्ञ), डॉ रिक्की चौधरी (एम ड़ी -बाल रोग विशेषज्ञ)।आईएमए कांवड़ चिकित्सा टीम के संपर्क सूत्र इस प्रकार से है- 9837072447, 8395000044, 7500774000..

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल ब्यौहारी का किया निरीक्षण, मरीजो से की चर्चा

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे, बीएमओ अमित कुमार चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर तरुण भटनागर ने आज सिविल अस्पताल ब्यौहारी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में आए मरीजों से चर्चा की तथा अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। जिस पर मरीजों ने बताया की हमे समय-समय पर खाने की वस्तुए, दवा व समय पर डॉक्टरों द्वारा उपचार किया जा रहा है। कलेक्टर ने बीएमओ को निर्देश दिए की सिविल अस्पताल ब्यौहारी में आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा मरीजो का उपचार समय पर कराया जाए। कलेक्टर ने ओपीडी पंजीयन कक्ष का निरीक्षण करते हुए कहा कि आने वाले मरीजों की सूची रखे तथा कंप्यूटर की स्थिति भी सही कराए।

कलेक्टर ने दवा वितरण कक्ष, माइनर ऑपरेशन थिएटर, जनरल वार्ड, एन.बी. एस. यू. पी. एन. सी. वार्डो का निरीक्षण किया तथा एम्बुलेंस के संबध में भी जानकारी प्राप्त की तथा बीएमओ को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नरेंद्र सिंह धुर्वे, बीएमओ अमित कुमार चौधरी, तहसीलदार रोहित सिंह परिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर पहुंचे पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के तहत शिविर का लिया जायजा,व्यवस्थाएं सुदृढ़, सुनिश्चित करने दिये निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर आज अपने भ्रमण के दौरान जिले की तहसील पथरिया पहुंचे। यहां उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जनरल वार्ड और प्रसूति कक्ष का जायजा लिया और कहा व्यवस्था ठीक की जाए। शिविर में व्यवस्थाएं सुदृढ़ सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा अभियान के अंतर्गत हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की ए.एन.सी. और स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 25 तारीख को रहता है, इसको देखने के लिए कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया आये थे, यहां पर सारी व्यवस्थाएं देखी, जनरल वार्ड और प्रसूति कक्ष से लेकर के महिलाओं को मातृत्व सुरक्षा योजना के अंतर्गत जो पूरा प्रोटोकॉल है उसके अंतर्गत पूरी व्यवस्थाएं देखी । कलेक्टर ने कहा जितनी महिलाओं को आना था उतनी महिलाएं शिविर में नहीं आ पाई है, हम महिलाओं को नहीं ला पाए, जो महिलाएं नहीं आना चाहती थी उनको हमारी टीम जाकर समझा सकती थी, बता सकती थी कि वह यहां पर आएं और यदि नहीं आ पाती तो फिर हम वहां जाकर उनके चेकअप की व्यवस्था करते, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं कर पाए। उन्होंने कहा सबसे बड़ा इशू है की हाई रिस्क महिलाएं और नॉर्मल महिलाओं में अंतर नहीं कर पाते हैं, हाई रिस्क महिला जब आती हैं तो उनको प्रेफरेंशियल ट्रीटमेंट देना चाहिए ताकि उनको जल्दी से ट्रीटमेंट मिले और उनकी समय पर सारी जांच हो जाए। कलेक्टर श्री कोचर ने निर्देश दिए व्यवस्था ठीक की जाए। यहां पर बैठने की समुचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने सीबीएमओ डॉ मिंज को आगामी केम्प की और बेहतर तथा सुदृढ़ व्यवस्था के निर्देश दिये।

दमोह कलेक्टर ने ग्राम सूखा के मिडिल स्कूल और हाई स्कूल का भ्रमण किया

मध्यान्ह भोजन चखा, स्कूल में आने का रास्ता ना होने पर सीईओ जनपद पथरिया को सड़क का स्टीमेट तैयार करने दिये निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, आज कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने ग्राम सूखा के मिडिल स्कूल और हाई स्कूल का भ्रमण किया, मिडिल स्कूल में विद्यार्थियों से चर्चा की स्कूल के टाइम टेबिल के बारे में चर्चा की देखने में आया है कि सभी बच्चों के पास किताबें बराबर पहुंची है। उन्होंने कहा प्रशासन का यह एक अच्छा प्रयास रहा है की सत्र के शुरुआत में ही सभी विद्यार्थियों के पास किताबें हैं, कहीं से शिकायत नहीं है कि विद्यार्थियों को किताब नहीं मिली है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज ग्राम सूखा में मिडिल स्कूल और हाई स्कूल का आकस्मिक निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कहा यद्यपि कुछ विद्यार्थी गणवेश में नहीं दिखे इसके लिए इन्हें निर्देशित किया है कि जिन विद्यार्थियों के माता-पिता के खाते में गणवेश की राशि नहीं पहुंची है और वे शिकायत कर रहे हैं, उनके खातों में अविलंब राशि पहुंचाई जाए और जिनके खातों में राशि पहुंच गई है, लेकिन उन्होंने अभी तक गणवेश नहीं सिलवाए हैं, उनको पेरेंट्स टीचर मीटिंग में अभिभावकों को लगातार बताया जाए, घर तक संदेश पहुंचाया जाए, पेरेंट्स से कहा जाये कि जल्दी से जल्दी बच्चों की ड्रेस बनवाएं। कलेक्टर ने कहा वहां पर मध्यान भोजन देखा है, क्वालिटी ठीक लगी है। इसके अलावा वहां पर सीएसआर मद में कुछ कमरे बनने हैं, उसके लिए दो पुराने कमरे जो की पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उनको तोड़कर के उसी जगह पर बनाए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि एक हफ्ते के अंदर क्षतिग्रस्तता की कार्यवाही कंप्लीट कर ली जाए, ताकि नए चार कमरे जो सीएसआर से बनने हैं, उनका निर्माण कार्य पूरा हो सकें। उन्होंने कहा यहां पर सबसे बड़ी समस्या यह है कि स्कूल में आने का रास्ता नहीं है, कई गांव के छात्र यहां आते हैं और रास्ता न होने के कारण दो बड़ी समस्याएं खड़ी हो गई है, पहला तो स्कूल में एडमिशन कम हो गये हैं और दूसरी समस्या यह है कि जो छात्र आ भी रहे हैं, उनमें से कोई खेतों की मेड़ पर से आ रहा है, तो कोई पानी में से आ रहा है। ऐसी स्थिति में बरसात के मौसम में कई तरह के जोखिम होते हैं, यह बिल्कुल भी उचित स्थिति नहीं है। इसके लिए कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत को निर्देश दिए हैं, यहां आकर सड़क का एस्टीमेट तैयार करायें। इसके लिए हम जल्दी से जल्दी प्रयास करेंगे, पानी थोड़ा सा स्थिर हो उसके बाद इस पर काम शुरू कराया जायेगा।

म.प्र.निजी विद्यालय अधिनियम 2017 एवं इसके अंतर्गत निर्मित नियम 2020 के नियमों का दो संस्थाओं ने करा उल्लंघन

दोनों संस्थाओं ने 01 लाख 50 हजार का अर्थदण्ड किया जमा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिला समिति दमोह द्वारा म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं इसके अंतर्गत निर्मित नियम 2020 के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में कलेक्टर एवं जिला समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार कोचर ने दो संस्थाओं पर 01-01 लाख रूपये के मान से 02 लाख रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया था। उक्त अधिरोपित शास्ति की वसूली भू-राजस्व के बकाया के रूप में वसूल किए जाने हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनुभाग दमोह को अधिकृत किया गया था। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा अधिरोपित शास्ति जमा किए जाने हेतु जारी किए गए खाते में सेन्ट जॉन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल जबलपुर नाका दमोह द्वारा 01 लाख रूपये एवं गुरूनानक हायर सेकेण्डरी स्कूल जबलपुर नाका दमोह द्वारा 50 हजार रूपये की राशि जमा की गई है। ज्ञातव्य है जिला समिति दमोह द्वारा म.प्र. निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 एवं इसके अंतर्गत निर्मित नियम 2020 के नियमों का उल्लंघन करने, चयनित विक्रेताओं से ही पुस्तकें क्रय करने एवं यूनीफार्म के साथ अनावश्यक रूप से नीले, पीले, हरे, लाल जूते सम्मिलित कर चयनित विक्रेताओं से ही क्रय किए जाने हेतु विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बाध्य करने के आरोप में कलेक्टर एवं जिला समिति के अध्यक्ष कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सेन्ट जॉन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल जबलपुर नाका दमोह 50-50 हजार रूपये के मान से 01 लाख रूपये एवं गुरूनानक हायर सेकेण्डरी स्कूल जबलपुर नाका दमोह पर 50 -50 हजार रूपये के मान से कुल 01 लाख रूपये का अर्थदण्ड अधिरोपित किया था।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान अंतर्गत 443 गर्भवती महिलाओं को मिला विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजनी जेम्स बेक ने बताया कि एनीमिया, उच्च रक्तचाप, मल्टीग्रेविटा, डायबिटीज जैसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य समस्या के समाधान के लिए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक लगाई गई। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत आयोजित विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा 443गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिन्हित जोखिम वाली 224 गर्भवती महिलाओं ने विशेषज्ञ सेवाओं का निःशुल्क लाभ उठाया। विशेषज्ञों द्वारा एनीमिया के संकेत एवं ईलाज के गुर भी बताये गये। विशेष स्वास्थ्य जांच क्लीनिक में पहुंची गर्भवती महिलाओं को रक्तअल्पता के संकेत मसलन कमजोरी, थकावट, जीभ और नाखूनों में पीलापन, शरीर में सूजन आना जैसे संकेत के बारे में जागरूक किया गया। विशेषज्ञ ने बताया कि रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी को आयरन की गोली के सेवन से ठीक किया जा सकता है। दिन में दो बार खाने के बाद आयरन की गोली एवं लौह तत्व से भरपूर भोजन के सेवन से दूर किया जा सकता है। गर्भावस्था दौरान अच्छी सेहत के लिए लौह तत्व से भरपूर भोजन जैसे-हरी पत्तेदार सब्जियां, साबुत दाल, गुड़, रागी का सेवन करने की समझाईश दी गई।

लोकसभा में बजट पर चर्चा में संग्रामः कांग्रेस सांसद चन्नी से दो-दो हाथ करने के अंदाज में तेज कदमों से वेल तक पहुंचे मंत्री बिट्टू

सदन में हाथापाई की नौबत

नई दिल्ली। सरकार और विपक्ष के बीच चुनावी नतीजों से बदले समीकरण की सियासी तपिश संसद में अब आक्रामक रूप में सामने आने लगी है। लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान गुरुवार को रेल व खाद्य प्रसंस्करण राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और कांग्रेस सांसद व पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के बीच हुई तकरार में इसका सबसे आक्रामक स्वरूप दिखा। दोनों के बीच शब्दों की तकरार आर-पार की ताल ठोकने के मुहाने तक पहुंच गई। मंत्री बिट्टू हाथ लहराते हुए अपनी सीट से उठकर देख लेने के अंदाज में विपक्षी सांसद चन्नी से भिड़ने के लिए वेल की ओर दौड़ पड़े। विपक्षी सांसद भी मंत्री का मुकाबला करने के लिए सामने आकर डट गए और भारी हंगामे के बीच हाथापाई की नौबत को टालने के लिए सदन को स्थगित करना पड़ा। लोकसभा में दोपहर एक बजे बजट चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस सांसद चन्नी ने मोदी सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर तीखे हमले शुरू कर दिए। चन्नी ने कहा कि सत्ता पक्ष आपातकाल की बात करता है, लेकिन विपक्षी सांसदों, किसानों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, वह भी तो आपातकाल है। इसी दौरान उन्होंने जेल में बंद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल का नाम लिए बगैर कहा कि 20 लाख लोगों के प्रतिनिधि को बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है, यह भी आपातकाल है। भाषण के दौरान चन्नी ने भाजपा सरकार की नीतियों की तुलना अंग्रेजों से की और बिट्टू की वफादारी पर कटाक्ष किए तो तकरार बढ़ने लगी। टोका-टाकी से असहज चन्नी ने बिट्टू से कहा कि आपके दादा (सरदार बेअंत सिंह) उस दिन शहीद नहीं हुए बल्कि उस दिन मरे जिस दिन आपने कांग्रेस छोड़ी। इससे आग बबूला हुए बिट्टू ने कहा कि उनके दादा देश के लिए शहीद हुए, कांग्रेस के लिए नहीं। बिट्टू ने अंग्रेजों से तुलना के जवाब में कांग्रेस की सर्वोच्च नेता सोनिया गांधी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी कर डाली और चन्नी के खिलाफ भी भ्रष्टाचार से लेकर कई तरह के आरोप जड़े। इससे बढ़े हंगामे के बीच बिट्टू इतने आवेश में आ गए कि कमीज की बाजू चढ़ाते हुए चन्नी से दो-दो हाथ करने के अंदाज में तेज कदमों से वेल तक पहुंच गए। विपक्षी सांसद भी उसी अंदाज में मुखर होकर वेल में आने लगे। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने बिट्टू को चुनौती देते हुए कहा कि चुनाव में वे उनको हरा चुके हैं और यहां भी शिकस्त देंगे। पंजाब से कांग्रेस के तमाम कांग्रेस सांसदों के अलावा पार्टी के दर्जनभर अन्य सांसद भी वेल में पहुंच गए। टकराव की नौबत आती देख सत्ता पक्ष की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा कुछ अन्य भाजपा सदस्यों ने तत्काल बिट्टू को पकड़कर समझाते हुए पीछे खींचा। नेता विपक्ष राहुल गांधी भी अपने सांसदों को शांत होने का इशारा करते दिखे। हंगामे को आमने-सामने के संग्राम में तब्दील होने की नौबत आते देख पीठासीन पदाधिकारी संध्या राय ने तत्काल सदन दो बजे तक स्थगित कर दिया। हालांकि, सदन में गरमागरमी का माहौल तब भी रहा और कुछ ही क्षण में स्पीकर ओम बिरला आसन पर आकर दोनों पक्षों को नियंत्रित करने का प्रयास करने लगे। मगर जैसे ही सदन स्थगन की जानकारी उन्हें दी गई तो वे अपने चैंबर में चले गए, जहां पक्ष-विपक्ष के वरिष्ठ नेताओं ने यह टकराव खत्म करने की पहल की।

9 मई हिंसा मामले में इमरान खान का पोलीग्राफ जांच कराने से इंकार

इंटरनेशनल डेस्क। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को हुए अप्रत्याशित उपद्रव से जुड़े दर्जनों मामलों की लाहौर पुलिस द्वारा की जा रही जांच के तहत पोलीग्राफ (एक प्रकार की झूठ पकड़ने वाली जांच) और आवाज मिलान परीक्षण कराने से इनकार कर दिया है। बारह सदस्यीय फोरेंसिक टीम क्रिकेटर से नेता बने 71 वर्षीय इमरान खान का पोलीग्राफ परीक्षण करने मंगलवार को अडियाला जेल पहुंची थी। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो ने 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में पिछले साल जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान को गिरफ्तार किया था तब नौ मई को देशभर में उपद्रव हुए थे। इमरान खान 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं और वह पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी है कि एक पुलिस उपाधीक्षक की अगुवाई में लाहौर पुलिस का एक दल (पोलीग्राफ और आवाज मिलान) परीक्षण करने आडियाला जेल पहुंचा था। इस अखबार के अनुसार उनके साथ पंजाब अपराध जांच विज्ञान एजेंसी के विशेषज्ञ भी थे।

सीएम की बैठक में फिर नहीं पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य

पल्लवी पटेल ने योगी से की मुलाकात, अटकलों का दौर

लखनऊ। प्रदेश भाजपा में सियासी रार फिलहाल थमती नजर नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बृहस्पतिवार को बुलाई गई बैठक में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या फिर नहीं पहुंचे। जबकि वह सीएम आवास के बगल में ही स्थित अपने सरकारी आवास पर रहे और कई पूर्व व वर्तमान मंत्रियों से मुलाकात की । केशव के बैठक में नहीं पहुंचने को लेकर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। दरअसल मुख्यमंत्री मंडलवार भाजपा और सहयोगी दलों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने मेरठ और प्रयागराज मंडल की बैठक बुलाई थी। प्रयागराज मंडल की बैठक में भाजपा के साथ अपना दल (एस) के विधायक भी पहुंचे थे, लेकिन उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या नहीं पहुंचे, जबकि वह लखनऊ में ही थे। बैठक में पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी समेत सभी विधायक पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से विधानसभावार लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर चर्चा की और हार के कारणों की जानकारी ली। बता दें कि लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद से ही केशव मुख्यमंत्री की मौजूदगी में होने वाली किसी भी बैठक में नहीं जा रहे हैं। यहां तक वह कैबिनेट की बैठकों से भी दूरी बनाए हुए हैं। इसे लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। बैठक में शामिल न होने को लेकर केशव से संपर्क करने की भी कोशिश की गई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। अलबत्ता केशव के एक करीबी का कहना है कि जिस समय सीएम की बैठक थी, उस समय उप मुख्यमंत्री का कहीं एक और कार्यक्रम था, इसलिए वह बैठक में नहीं पहुंच पाए। केशव सीएम की बैठक में भले ही नहीं गए, पर पूरे दिन अपने आवास पर नेताओं व जनप्रतिनिधियों से मिलते रहे। केशव से बृस्पतिवार को पूर्व मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह, पूर्व मंत्री उपेन्द्र तिवारी और राज्यमंत्री दिनेश खटीक समेत कई लोगों ने मुलाकात की। इसकी जानकारी खुद केशव ने अपने एक्स हैंडल से देते हुए फोटो भी शेयर किया है। इसी बीच बुधवार को अपना दल (कमेरावादी) की नेता और सपा विधायक पल्लवी पटेल ने भी सीएम से मुलाकात कर प्रदेश के सियासी माहौल को गरमा दिया है। सूत्रों के मुताबिक पल्लवी मुख्यमंत्री आवास पर करीब 25-30 मिनट रही। पल्लवी की सीएम से क्या बात हुई इस पर पल्लवी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। जबकि उनके करीबी सूत्रो का कहना है कि वह अपने क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर मुख्यमंत्री से मिलने गई थीं। बता दें कि भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री को ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर पत्र लिखा था, जिसे लेकर सियासी तुफान उठा था। ऐसे में अब पल्लवी की मुख्यमंत्री से मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जाने लगे हैं।

दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स मिला

***काठमांडू।** नेपाल में एक दिन पहले दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का 'ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और यह जांच टीम को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दुर्घटना में एक बच्चे सहित 18 लोग मारे गए थे। सौर्य एयरलाइंस का पोखरा जा रहा 'बॉम्बार्डियर सीआरजे-200% विमान बुधवार को त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। घटना में विमान में सवार 18 लोगों की मौत हो गई और पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों में चालक दल के दो सदस्य, एयरलाइन के तकनीकी कर्मचारी और चार वर्षीय एक लड़के सहित तीन लोगों का परिवार शामिल है। नागर विमानन प्राधिकरण के उपमहानिदेशक हंस राज पांडे ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का 'ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और आवश्यक कार्रवाई के लिए जांच टीम को सौंप दिया गया है। जांच टीम का नेतृत्व नागर विमानन प्राधिकरण के पूर्व महानिदेशक रतीश चंद्र लाल कर रहे हैं और इसमें चार अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। टीम को 45 दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट और सिफारिश सौंपनी हैं। पांडे ने बताया कि शवों का पोस्टमॉर्टम करने के बाद उनकी पहचान की जा रही है और शुक्रवार तक शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा। विमान दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति कैप्टन मनीष राज शाक्य काठमांडू मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अस्पताल के सूत्रों ने कहा, ''वह आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में भर्ती हैं, लेकिन वह बोल पा रहे हैं। संबंधित विमान नियमित रखरखाव कार्य के लिए पोखरा जा रहा था लेकिन यह हादसे का शिकार हो गया।*

दिल्ली फिर बनी दरिया

सड़कों पर जलभराव... ट्रैफिक हुआ जाम, पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में शुक्रवार सुबह में बारिश देखने को मिल रही है। जिससे मौसम सुहाना हो गया है। लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। सड़कों पर पानी भरने से सुबह सुबह ही जाम लग गया है। नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में जमकर बारिश हुई। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी हुई थी। जिससे उमस बढ़ गई, इससे लोग चिपचिपी गर्मी के साथ उमस भरी गर्मी से दिनभर परेशान रहे। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान आसमान में हल्के बादल छाए रहेंगे। इससे अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा सकता है। हालांकि, मौसम विभाग का बारिश का पूर्वानुमान कमजोर साबित हो रहा है। गुरुवार के लिए भी मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया था, लेकिन उसके मुताबिक बारिश नहीं हुई। दिल्ली में आज सुबह हुई बारिश के बाद ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दी है। कई रास्तों पर पानी भरने के बाद लोगों को जाम की समस्या से जुझना पड़ रहा है। ट्रैफिक पुलिस ने अपनी एडवाइजरी में कहा कि निगम बोध घाट पर जलभराव के कारण मजनूं का टीला से आईएसबीटी कश्मीरी गेट की ओर जाने वाले मार्ग पर रिंग रोड पर यातायात प्रभावित है। यातायात को चंदगी राम अखाड़ा से शास्त्री पार्क की ओर मोड़ दिया गया है। जलभराव के कारण जखीरा अंडरपास पर यातायात प्रतिबंधित है। गुरुवार सुबह से ही आसमान में हल्के बादल छाए रहे। इसके बाद बूंदाबांदी हुई। वहीं, दोपहर में बादल व सूरज की लुकाछिपी का खेल चला। इसके साथ ही तेज धूप निकल आई। इससे उमस और बढ़ गई। सफदरजंग में 1.4 एमएम, मयूर विहार में 2.5 एमएम, लोदी रोड में 1.2, पूसा व पीतमपुरा में 0.5 एमएम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शाम को भी तेज हवा चली। इससे तापमान में कमी देखने को मिली। नमी का स्तर 100 से 67 फीसदी रहा। राजधानी में गुरुवार को बारिश के बाद कई जगह जलभराव हुआ। रामपुरा रेलवे अंडरपास पूरी तरह डूब गया। ऐसे में इसे बंद करना पड़ा। यहां काफी बच्चे नहाते भी दिखे, लेकिन इन्हें रोकने वाला कोई नहीं था। एमसीडी के अनुसार, आरकेपुरम स्थित सेक्टर-12, ईस्ट पटेल नगर, रोहिणी सेक्टर-28, बहादुर शाह जफर मार्ग, राणा जी एंक्लेव नजफगढ़, बुराड़ी, ओखला गांव, करोल बाग, सरिता विहार, फतेहपुर बेरी, पुल पहलाद पुर, जोंती आदि जगह जलभराव हुआ। इसके अलावा रामपुरा, रणहोला, त्रीनगर, कृष्णा नगर, अंबेडकर नगर, कालकाजी व डाबड़ी में पेड़ गिर गए। सभी जगह पानी निकालने की कार्रवाई तत्काल की गई। सड़कों व गलियों में गिरे पेड़ों को भी हटा दिया गया।

पहाड़ों पर हो रही बारिश, यमुना के जलस्तर पर रखी जा रही नजर- पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश को देखते हुए दिल्ली का बाढ़ एवं सिंचाई विभाग अलर्ट हो गया है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए यमुना के जलस्तर पर नजर रखी जा रही है। विभाग का कहना है कि स्थिति अभी सामान्य है। गुरुवार शाम पांच बजे तक यमुना का जलस्तर 202.43 मीटर रहा। हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे 352 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। आशंका है कि आने वाले दिनों में हथिनीकुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़ा जा सकता है। ऐसे में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विभाग तैयार है। दिल्ली में यमुना का जलस्तर 204.50 मीटर पहुंचते ही चेतावनी जारी कर दी जाएगी। साथ ही, निचले इलाकों को खाली करवा दिया जाएगा। विभाग यमुना के जलस्तर पर लगातार निगरानी रखे हुए है।

महिला को जिंदा निगल गया अजगर

पेट से सही सलामत निकला शव

इंटरनेशनल डेस्क। इंडोनेशिया में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां 30 फुट लंबे अजगर ने पांच बच्चों की मां को जिंदा निगल लिया। यह घटना दक्षिण सुलावेसी के लुवु रीजेंसी में हुई। 38 वर्षीय महिला सिरियाती अपने बीमार बच्चे के लिए दवा खरीदने के लिए घर से निकली थी और उसके बाद से लापता हो गई। जब वह घर नहीं लौटी, तो उसके परिवारवालों ने उसे ढूंढना शुरू किया। महिला का पति आदियान्स्या उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचा, जहां उसने देखा कि एक विशाल अजगर उसकी पत्नी को निगलने की कोशिश कर रहा था। आदियान्स्या ने तुरंत अजगर को मार डाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और उसकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। आदियान्स्या ने बताया कि उसने अजगर के मुंह में पत्नी के पैर को देखा, जिससे वह सहम गया। अजगर ने महिला पर तब हमला किया था जब वह पेड़ों के बीच से अकेली जा रही थी। वालेरंग पुलिस कमिश्नर इदुल ने बताया कि अजगर के पेट से महिला का शव सही सलामत बरामद कर लिया गया है, लेकिन शरीर की हड्डियां कुचली हुई थीं। यह घटना मंगलवार को हुई, जब सिरियाती अपने बीमार बच्चे के लिए दवा खरीदने गई थी और रास्ते में लापता हो गई थी। उसका भाई भी उससे मिलने के लिए आने वाला था, लेकिन जब महिला वहां नहीं पहुंची, तो उसने पीड़िता के पति को फोन किया और फिर सभी ने मिलकर महिला को ढूंढना शुरू किया। दक्षिण सुलावेसी में एक महीने से भी कम समय में यह दूसरी ऐसी घटना है। जून की शुरुआत में एक 45 वर्षीय महिला को भी अजगर ने जिंदा निगल लिया था। वह भी कई दिनों से गायब थी। इंडोनेशिया में कई प्रकार के अजगर पाए जाते हैं, जिनमें बर्मीज अजगर और रेटिकुलेटेड अजगर शामिल हैं। रेटिकुलेटेड अजगर को ग्रीन एनाकोंडा की दूसरी प्रजाति मिलने से पहले दुनिया का सबसे लंबा सांप माना जाता था। यह घटना न केवल दिल दहलाने वाली है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जंगलों में रहने वाले अजगर कितने खतरनाक हो सकते हैं। इस घटना ने स्थानीय लोगों में भय और चिंता पैदा कर दी है और वन्यजीवों से बचाव के उपायों की जरूरत को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है।

जयपुर में रात भर बरसा सावन

राजस्थान। गुरुवार से मानसून की सक्रियता बढ़ी है। मानसून की टर्फ लाइन आज जयपुर और गंगानगर से होकर गुजर रही है। इसके चलते जयपुर में गुरुवार शाम से शुक्रवार सुबह तक रुक-रुककर बारिश का दौर जारी है। बीते 24 घंटों में प्रदेश के कई इलाकों में तीव्र से तीव्र वर्षा रिकॉर्ड की गई। चित्तौड़गढ़ के बस्सी और करौली के पांचना बांध में तेज बारिश हुई है। प्रदेश के बांधों की बात करें तो बीते 24 घंटों में सबसे ज्यादा 24.49 एमक्यूएम पानी की आवक हुई है।मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले 4 से 5 दिनों तक पूर्वी राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों और पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग के कुछ भागों में जोरदार बारिश हो सकती है। राजधानी जयपुर की बात करें तो सांगानेर क्षेत्र में तेज बारिश हो रही है। इसके चलते जबरदस्त जल भराव की स्थिति बन गई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569